RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 306 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 06-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आज पूरी मानवता चुका रही है पर्यावरण की उपेक्षा की कीमत : मुख्यमंत्री योगी

6 बदलते परिवेश में भी भारत और रूस की मित्रता रहेगी कायम

7 मैं खुद को सही साबित करने नहीं आई : शिल्पा शिंदे

फर्स्ट टेक

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले किये, छह लोगों की मौत

दिब्बीन/एपी। इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों पर हमले किए। इससे पहले सेना ने नौ गांवों के लोगों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की। इनमें से एक गांव काफी हद तक विनाश से बचा हुआ है, जहां तीन महीने के युद्ध से विस्थापित हजारों लोगों ने शरण ली हुई है। इजराइली सेना की चेतावनी के बाद सैकड़ों परिवारों को इलाका छोड़ना पड़ा।

आरबीआई ने नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रख

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए शुक्रवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 6.6 प्रतिशत और खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है।

कर्नाटक में नये मुख्यमंत्री को लेकर मोदी का तंज; कहा:

कांग्रेस शासित राज्यों में लोग असंतुष्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर अव्यवस्था और अनिश्चितता फैलाने का आरोप लगाया और कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पार्टी के शासन वाले राज्यों में लोग असंतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर जारी वैश्विक संकट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित करता है और उन्होंने कांग्रेस पर ''आत्मनिर्भर भारत'' संकल्प का उपहास उड़ाने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री ने सूरत में आयोजित एक कार्यक्रम में, गुजरात में 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट, पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अपार क्षमता के महत्व को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का उपहास उड़ा रहे हैं। वे लगातार इस राष्ट्रीय संकल्प को नीचा दिखा रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने हमेशा भारत को अन्य देशों पर निर्भर रखा है।'' उन्होंने जोर देते हुए कहा, ''वे लोग यह समझ नहीं पा रहे हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को नहीं छू सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है।''

रुपया 81 पैसे के उछाल से 94.93 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रुपया शुक्रवार को 81 पैसे के उछाल के साथ 94.93 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा प्रवाह मजबूत करने के लिए कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 94.89 के उच्च स्तर तक पहुंचा और अंततः 94.93 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 81 पैसे की मजबूती है। रुपया बृहस्पतिवार को दो पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था।

विश्व योगासन चैंपियनशिप

गुजरात के अहमदाबाद में शुक्रवार को आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 के दौरान एक योग खिलाड़ी अपने कौशल और लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए।

भारत-रूस रिश्तों में दखल वैश्विक स्थिरता के लिए नुकसानदायक, मोदी दबाव के आगे नहीं झुकते : पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के साथ मॉस्को के समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंधों की सराहना करते हुए आगाह किया कि भारत-रूस संबंधों को कमजोर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पश्चिमी देशों का दबाव वैश्विक स्थिरता के लिए नुकसानदायक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति ''अचानक नहीं हुई है'', बल्कि यह मोदी के नेतृत्व में किए गए कठिन परिश्रम का परिणाम है।

'पीटीआई' सहित दुनिया की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बृहस्पतिवार रात को हुई बातचीत में पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ अपने समग्र सहयोग को और विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है और दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की परिकल्पना कर रहा है।

पुतिन ने स्वच्छ ऊर्जा, औषधि और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को व्यापार व निवेश संबंधों की निरंतर प्रगति को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया।

पुतिन ने 'पीटीआई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रधान संपादक विजय जोशी के एक सवाल पर कहा, ''भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसने सबसे अधिक आर्थिक वृद्धि दर दिखाई है। यह अचानक नहीं हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की कड़ी मेहनत का परिणाम है।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

पर्यावरण संबंधी प्रशासनिक ढांचे को ध्वस्त कर रही है मोदी सरकार : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार में जंगलों को खत्म और पर्यावरण संबंधी प्रशासनिक ढांचे को ध्वस्त किया जा रहा है।

खरगे ने यह दावा भी किया कि भारत के वन क्षेत्र का लगातार क्षरण हो रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर्यावरणीय प्रगति का भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्व पर्यावरण दिवस हमारे जंगलों, नदियों, महासागरों, वायु के और अधिक क्षरण को रोकने का अवसर है।

प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक रूप से नागरिकों से भीषण गर्मी से बचने के लिए 'हाइड्रेटेड रहने'' जैसी प्रतीकात्मक बातें करके बढ़ती गर्मी से निपटने का आग्रह करते हैं, वहीं उनकी सरकार में भारत की पारिस्थितिकीय संपदा पर हाल के इतिहास के सबसे आक्रामक और बड़े हमले किए जा रहे हैं।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि आधिकारिक आंकड़ों और परियोजना मंजूरी से पता चलता है कि पिछले 11 वर्षों में लगभग 1,91,922 हेक्टेयर जंगल काट दिया गए हैं।

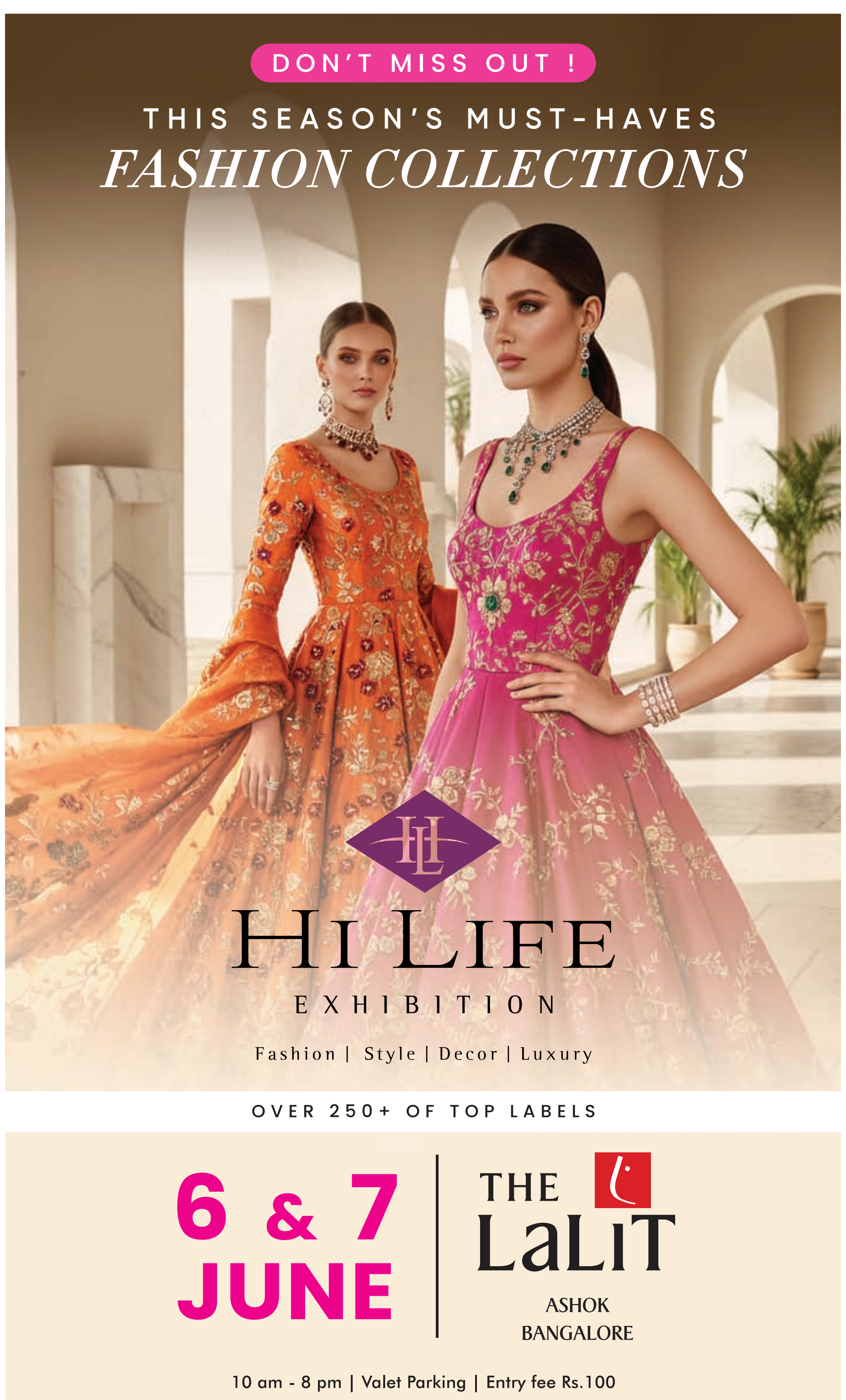

पीएफआई के खिलाफ मामला:

एनआईए अदालत ने 26 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) के कई शीर्ष नेताओं के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया, और कहा कि मामले में भारत सरकार को उखाड़ फेंकने तथा 2047 तक इस्लामी खलीफा का शासन स्थापित करने की साजिश का ''गंभीर संदेह'' है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत 25 पीएफआई सदस्यों के साथ-साथ संगठन के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने कहा, ''यदि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री को समग्र रूप से देखा जाए, तो यह गंभीर संदेह पैदा करती है कि आरोपियों ने 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' और उसकी राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के माध्यम से और उनकी ओर से काम करते हुए, एक बड़ी साजिश को आगे बढ़ाने के लिए सहमति जताई और उस पर अमल किया-वह साजिश थी देश के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से वर्ष 2047 तक या उससे पहले भारत की धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंकना और भारत में शरिया कानून के तहत एक इस्लामी खलीफा स्थापित करना।''

मुद्रास्फीति का लक्ष्य स्थगित नहीं किया, भविष्य में ब्याज दर में बदलाव कीमतों पर निर्भर : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि मुद्रास्फीति का चार प्रतिशत का मध्यम अवधि का लक्ष्य महत्वपूर्ण है और इससे हटले का कोई सवाल ही नहीं है।

मल्होत्रा ने संकेत दिया कि भविष्य में कोई भी मौद्रिक नीतिगत कार्रवाई इस बात पर निर्भर करेगी कि मूल्य वृद्धि व्यापक और लंबी अवधि के लिए रहती है या नहीं।

आरबीआई ने 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है जो पहले के 4.6 प्रतिशत से कही अधिक है। उन्होंने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति की तुलना में आर्थिक वृद्धि को प्राथमिकता दे रहा है। गवर्नर ने कहा, ''मुद्रास्फीति लक्ष्य अपरिवर्तित है।''

मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लक्ष्य से हटने का सवाल ही नहीं है। यह वह लक्ष्य है जो सरकार ने हमें दिया है। यह चार प्रतिशत ही है और इसे बनाये रखने का हमारा प्रयास जारी है।'' हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मुद्रास्फीति लक्ष्य को मध्यम अवधि में प्राप्त किया जाना है, न कि हर छोटी अवधि में इसमें घटने-बढ़ने पर कदम उठाने की जरूरत है। इसका कारण अस्थायी झटकों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई से वृद्धि पर प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं।

मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि मुद्रास्फीति की स्थिति पहले से अधिक प्रतिकूल हो गई है। हालांकि, उन्होंने किसी भी तरह की तत्काल सख्ती का कोई संकेत नहीं दिया।

यह पूछे जाने पर मुद्रास्फीति के अनुमान में वृद्धि को क्या अगली समीक्षा में नीतिगत दर में वृद्धि की संभावना के रूप में देखा जाना चाहिए, उन्होंने कहा, ''ऐसा मामला बनता है या नहीं, यह मैं नहीं कह सकता। लेकिन जाहिर है कि यह (मुद्रास्फीति) पहले से अधिक प्रतिकूल है।''

केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने तटस्थ रुख को कायम रखा है।''

मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक इस बात पर बारीकी से नजर रखेगा कि मुद्रास्फीति का दबाव अस्थायी रहता है या व्यापक और स्थायी होता है। उन्होंने कहा, ''यदि यह एक बार की वृद्धि है, तो आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं। लेकिन अगर यह व्यापक हो रहा है, स्थायी हो रहा है, तो निश्चित रूप से इसका मतलब है कि कार्रवाई करने का समय आ गया है।''

आरबीआई गवर्नर ने दोहराया कि केंद्रीय बैंक आंकड़ों पर निर्भर रहेगा और इस बात पर बारीकी से नजर रखेगा कि आपूर्ति आधारित मुद्रास्फीति के झटके कम होते हैं या स्थायी होते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए तेल की कीमतों का अपना अनुमान को संशोधित कर 95 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 85 डॉलर प्रति बैरल था। इस कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के अनुमान में वृद्धि की गयी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत, 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत घरेलू मांग और सरकारी खर्च के कारण अनुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। हालांकि, इस अवधि के अंत में बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों और आपूर्ति शृंखला में बाधाओं ने आर्थिक परिदृश्य पर दबाव बनाना शुरू कर दिया।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। पिछले वर्ष की समान तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7% रही थी जबकि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में यह 8% थी। वित्त वर्ष 2025-26 की समूची अवधि में देश की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 7.7% हो गई, जो 2024-25 में 7.1% रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.9% बढ़ा, जो यह दर्शाता है कि वृद्धि केवल मांग पर आधारित नहीं थी, बल्कि उत्पादन में मजबूती भी रही। विनिर्माण, निर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। हालांकि, इस तिमाही के अंतिम महीने मार्च में ही पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष का असर नजर आया। लेकिन यह तनाव जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और आपूर्ति में पैदा हुए गतिरोध का असर आने वाले समय में देखने को मिलेगा। इस परिदृश्य में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.9% से घटाकर 6.6% कर दिया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने इस पर कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां बेहतर होती हैं तो वित्त वर्ष 2027-28 में भारत की वृद्धि दर फिर से सात प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। उन्होंने कहा कि नीतिगत उपायों और आपूर्ति सुनिश्चित करने से अर्थव्यवस्था दोबारा तेज वृद्धि के रास्ते पर लौट सकती है। एनएसओ ने कहा कि स्थिर कीमतों पर जीडीपी का आकार वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 323.12 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के पहले संशोधित अनुमान 299.89 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। वहीं, मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का आकार 2025-26 में 346.36 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के 318.07 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 8.9% की वृद्धि को दर्शाता है। यह 2022-23 को आधार वर्ष मानकर तैयार की गई नई शृंखला के तहत जारी जीडीपी आंकड़ों का दूसरा समूह है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन आंकड़ों पर कहा कि सरकार वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए सुधारों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। एनएसओ के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में द्वितीयक (विनिर्माण, निर्माण) और तृतीयक (सेवाएं) क्षेत्रों ने क्रमशः 8.8% व 9.3% की वृद्धि दर्ज कर अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को मजबूती दी।

गुवाहाटी और यशवंतपुर के बीच स्पेशल ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे की विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने गुवाहाटी और यशवंतपुर के बीच एक ट्रिप वाली स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ट्रेन नंबर 05642 गुवाहाटी-यशवंतपुर स्पेशल शनिवार 6 जून को सुबह 07:20 बजे गुवाहाटी से रवाना होगी और सोमवार 8 जून को दोपहर 13:30 बजे यशवंतपुर पहुँचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 05641 यशवंतपुर - गुवाहाटी स्पेशल सोमवार, 8 जून रात 23:15 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और गुरुवार 11 जून को सुबह 11:15 बजे गुवाहाटी पहुँचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कामाख्या, रंगिया, बारपेटा रोड, न्यू बोंगईगाँव, कोकराझार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, बारसोई जंक्शन, मालदा टाउन, रामपुर हाट, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्धमान जंक्शन, डंकुनी, अंडुल, खड़गपुर जंक्शन, बालासोर, भद्रक, जाजपुर क्योंझर रोड, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड जंक्शन, बेरहामपुर, पलासा, श्रीकाकुलम रोड, विजयनगरम जंक्शन, सिम्हाचलम नॉर्थ, दुव्वाडा, राजमुंदरी, विजयवाड़ा जंक्शन, गुंटूर जंक्शन, नरसाराओपेट, मरकापुर रोड, नंदीयाल, धोणे जंक्शन, गुत्ती जंक्शन, धर्मावरम जंक्शन, हिंदूपुर और यलहंका स्टेशनों पर रुकेगी।

मंत्री खादर ने सरकारी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री यू टी खादर ने पदभार ग्रहण करने के कुछ ही घंटों बाद स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने के लिए शहर के एक सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। बृहस्पतिवार देर रात निरीक्षण के दौरान, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री खादर ने कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की, अस्पताल के अधिकारियों से बातचीत की और रोगी देखभाल सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने एक गर्भवती महिला को फर्श पर बैठे देखकर नाराजगी जतायी और ड्यूटी से अनुपस्थित अधिकारियों को बुलाकर उन्हें कड़ी चेतावनी दी। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह औचक दौरा अस्पताल की जमीनी हकीकत का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने कहा, हम लगातार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि व्यवस्था को और बेहतर कैसे बनाया जाए और सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए। हमारा इरादा किसी को परेशान करने का नहीं है। हम सभी का विश्वास जीतना चाहते हैं, उनकी चिंताओं को समझना चाहते हैं और समाधान करना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि हालांकि दौरे के दौरान कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन उन्होंने पाया कि कुछ डॉक्टर अनुपस्थित थे। खादर ने कहा, चूंकि यह पहली घटना थी, इसलिए अनुपस्थित कर्मियों को बुलाकर उनकी अनुपस्थिति के कारणों के आधार पर चेतावनी जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी घटनाएं दोबारा हुईं तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर : बेंगलूरु शहरी क्षेत्र में मैपिंग का 72 प्रतिशत कार्य पूरा

बेंगलूरु। जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य आयुक्त महेश्वर राव ने बताया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं और बेंगलूरु शहर भर में मतदाताओं की 'मैपिंग' का 72 प्रतिशत कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शेष मैपिंग (मिलान) कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राव के मुताबिक, बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे इस कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उन्होंने एक बयान में कहा कि मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले एकत्रित आंकड़ों का सत्यापन और मिलान किया जाएगा। राव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने से वंचित न रहे और मतदाता सूची में कोई भी अपात्र नाम न रह जाए।

कर्नाटक सरकार ने छात्रों के लिए मुफ्त बस पास योजना को लागू करने का आदेश दिया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को सभी छात्रों के लिए मुफ्त बस पास योजना को लागू करने का आदेश जारी कर दिया। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में इसकी घोषणा की थी। कैबिनेट ने बुधवार को राज्य भर के स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले सभी छात्रों को मुफ्त बस पास की सुविधा देने का फैसला किया था। एक बयान में कहा गया, सरकार ने राज्य के चार परिवहन निगमों द्वारा संचालित बसों में यात्रा करने वाले सभी स्कूल और कॉलेज के छात्रों को मुफ्त बस पास की सुविधा देने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

समुद्री खाद्य क्षेत्र में भारत के पास बहुत मौके : आंध्र मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक समुद्री खाद्य कारोबार में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत है, जबकि इस क्षेत्र में देश के पास बहुत ज्यादा मौके हैं।

विशाखापत्तनम में समुद्री खाद्य निर्यात पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश की 'ब्लू इकॉनमी' (समुद्री अर्थव्यवस्था) का विकास देश की तरक्की में अहम योगदान देगा। ब्लू इकॉनमी का मकसद समुद्री पारिस्थिकी तंत्र की सुरक्षा करते हुए आर्थिक विकास के लिए समुद्र और तटीय संसाधनों का टिकाऊ इस्तेमाल करना है। नायडू ने कहा, ''वैश्विक समुद्री खाद्य कारोबार में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत है। इस क्षेत्र में देश के पास बहुत ज्यादा मौके हैं।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक, भारत के कुल मछली उत्पादन में आंध्र की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत और झींगा उत्पादन में 66 प्रतिशत है, जबकि देश की समुद्री खाद्य निर्यात से होने वाली कमाई में राज्य का योगदान 38 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि आंध्र से सालाना लगभग 28,000 करोड़ रुपए का समुद्री खाद्य निर्यात होता है। नायडू ने कहा कि अगर आंध्र प्रदेश इस क्षेत्र में और तरक्की करता है, तो भारत का समुद्री खाद्य निर्यात भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा, बंदरगाह और हवाई अड्डा एक बड़ा फायदा देते हैं।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में उत्पादों की सफलता के लिए गुणवत्ता, टिकाऊपन, उद्गम स्थल (उत्पाद की उत्पत्ति स्थल की जानकारी का पता लगाना), नवाचार और प्रदूषण मुक्त होना जरूरी हैं। उन्होंने केंद्र से 'एक्वाकल्चर' उत्पादों को और विकसित करने के लिए कदम उठाने का भी आग्रह किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण जुलाई मध्य तक हो सकता है लागू : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत एवं अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से जुड़े सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अगले महीने के मध्य तक इस समझौते का पहला चरण लागू हो जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी दल दो से चार जून तक नई दिल्ली में था और उन्होंने भारतीय दल के साथ संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा, ''मेरी भी उनसे मुलाकात हुई थी और हम सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि अगले महीने के मध्य तक हम समझौते के पहले चरण को बहुत अच्छे तरीके से लागू करने की स्थिति में होंगे।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह हमारे द्विपक्षीय व्यापार समझौते का सिर्फ पहला चरण है, जिससे हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को तरजीही पहुंच मिलेगी।'' वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इस महीने के आखिर में एक उच्च-स्तरीय दल के भारत आने की उम्मीद है। संभावना है कि इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर कर सकते हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में इस सप्ताह हुई वार्ता के दौरान दोनों देशों के व्यापार दलों ने वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क और कारोबार सुगमता, आर्थिक सुरक्षा समन्वय तथा पारस्परिक हित के अन्य मुद्दों पर रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा की। अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच ने किया जबकि भारतीय पक्ष की अगुवाई वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव वार्ताकार दर्पण जैन ने की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की रूपरेखा को अंतिम रूप दे चुके हैं और अब अंतरिम व्यापार समझौते एवं व्यापक बीटीए की दिशा में काम कर रहे हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682 अरब डॉलर पर: आरबीआई

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 मई को समाप्त सप्ताह में 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682.32 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले यह भंडार 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया था। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपए के दबाव में आने से इस भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट दर्ज की गई। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 29 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.12 अरब डॉलर बढ़कर 546.15 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये विदेशी मुद्रा आस्तियां यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के मूल्य परिवर्तन के प्रभाव को भी शामिल करती हैं। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में देश का स्वर्ण भंडार 2.18 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 112.6 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 18.75 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रहे, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.82 अरब डॉलर हो गई।

सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' को बढ़ाने, आर्थिक गति बनाये रखने के लिए प्रतिबद्धः सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सरकार वैश्विक चुनौतियों के बीच सकारात्मक आर्थिक गति बनाये रखने के लिए निर्णायक नीतिगत उपायों के साथ 'सुधार एक्सप्रेस' को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार वैश्विक चुनौतियों के बीच सकारात्मक आर्थिक गति सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक नीतिगत उपायों के साथ 'सुधार एक्सप्रेस' को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' इससे पहले, भारतीय रिजर्व बैंक ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि अनुमान को 6.9% से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण निरंतर आपूर्ति समस्याओं से आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

निकोबार परियोजना सामरिक नहीं, मकसद एक कारोबारी को फायदा पहुंचाना : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना का रक्षा और सामरिक क्षेत्र से संबंध नहीं है, बल्कि यह एक उद्योगपति को होटल तथा 'कैसीनो' बनाने में मदद करने का प्रयास है।

राहुल गांधी ने इसी साल अप्रैल के अंत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा किया था। उन्होंने बृहस्पतिवार को अपनी उस यात्रा पर आधारित 16 मिनट से अधिक का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने लोगों से मोदी सरकार को यह बताने के लिए एक ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया कि ''हम 'ग्रीड' (लालच) के बजाय 'ग्रीन' (हरित क्षेत्र) को चुनते हैं।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, मैंने भारत के सबसे दक्षिणी सिरे का दौरा किया। मैं इंदिरा प्वाइंट पर गया था। मैं सदियों से खड़े पेड़ों के नीचे गया। मैंने पृथ्वी पर सबसे जीवंत मूंगा चट्टानों वाले क्षेत्र में गोता लगाया। मैंने वहां रहने वाले लोगों के साथ मुलाकात की। ये वो आदिवासी समुदाय हैं जिनकी भूमि वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करके छीन ली जा रही है। उनका कहना है कि भारत सरकार द्वारा इन द्वीपों पर बसे लोगों को उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, मोदी सरकार और भाजपा आपको बताती है कि ग्रेट निकोबार परियोजना रक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, ''यदि आईएनएस बाज का विस्तार किया जाएगा तो हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। राहुल गांधी ने दावा किया कि नौसेना पांच साल से विस्तार की मांग कर रही है, लेकिन इस मांग को नजरअंदाज कर दिया गया है। सरकार लोगों को यह भी बता रही है कि यह परियोजना मालवाहक बंदरगाह से जुड़ी है, जबकि ऐसा नहीं है।

'जम्मू-कश्मीर में मौजूद, विदेशों में छिपे मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया जाएगा'

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों को भारी कीमत चुकानी होगी, चाहे वे पड़ोसी देशों में बैठे हों या केंद्र शासित प्रदेश के अंदर काम कर रहे हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे आतंकियों के दिन गिने-चुने बचे हैं। सिन्हा ने गांदरबल जिले में 'नशा-मुक्त जम्मू कश्मीर' रैली का नेतृत्व करते हुए एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा, ''कश्मीर घाटी के हर जिले का दौरा करने और (मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत) हर मार्च में शामिल होने के बाद, मैं कह सकता हूं कि मादक पदार्थ-आतंक मॉड्यूल के खिलाफ एक ऐतिहासिक आंदोलन उभर कर सामने आया है।'' उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी कोई मामूली मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और समाज के लिए एक गंभीर खतरा है। सिन्हा ने कहा, ''नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आतंकी, चाहे वे पड़ोसी देशों में बैठे हों या जम्मू-कश्मीर के भीतर से काम कर रहे हों, हमारे लोगों के दुश्मन हैं। वे हमारे बच्चों के दुश्मन हैं। वे प्रगति के दुश्मन हैं।''

अगले वित्त वर्ष में फिर से सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है भारतः सीईए नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि वृहद आर्थिक स्थिरता एवं आपूर्ति संबंधी उपायों से भारत वित्त वर्ष 2027-28 में फिर से सात प्रतिशत की वृद्धि दर की राह पर लौट सकता है लेकिन यह बाहरी परिस्थितियों में सुधार पर निर्भर करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान अप्रैल में लगाए गए 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया। इसके पीछे ऊर्जा और अन्य जिंसों की ऊंची कीमतों के साथ पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण जारी आपूर्ति बाधाओं को वजह बताया गया।

नागेश्वरन ने कहा कि आर्थिक वृद्धि के संबंध में आरबीआई के अनुमानों पर इस समय सवाल उठाने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि दिए गए आंकड़ों में ऊपर और नीचे दोनों दिशाओं में संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, यदि वृद्धि दर आरबीआई के अनुमान के अनुरूप सात प्रतिशत से नीचे भी जाती है, तो वृहद आर्थिक स्थिरता के उपाय और आपूर्ति संबंधी कदम हमें वित्त वर्ष 2027-28 में फिर से या बाहरी परिस्थितियों में जैसे ही सुधार हो, सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर की राह पर ला सकते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि ये अनुमान इस धारणा पर आधारित हैं कि अमेरिका-ईरान संघर्ष से पहले की स्थिति वित्त वर्ष 2027-28 से पहले बहाल हो जाएगी।

नागेश्वरन ने कहा कि यदि वर्तमान परिस्थितियां बनी रहती हैं, तो अगले वित्त वर्ष के अनुमानों की फिर से समीक्षा की जाएगी।

बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह उचित अनुमान होगा कि यह बजट 2027 में अनुमानित 10.1 प्रतिशत से अधिक रहेगी, क्योंकि खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि का रुझान देखा जा रहा है।

नागेश्वरन ने कहा, अच्छी खबर यह है कि बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि बजट के अनुमान 10.1 प्रतिशत से काफी अधिक रहने की संभावना है।

सीईए ने कहा कि व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ा है और 2025-27 में भी इसके और बढ़ने की संभावना है, जिससे चालू खाते पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में उभरता हुआ संकट न केवल आपूर्ति पक्ष पर एक बड़ा झटका है, बल्कि यह मांग पक्ष पर भी संभावित कमी का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि थोक मुद्रास्फीति में आपूर्ति पक्ष से मूल्य दबाव उभरने लगे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत मौसम-विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा मानसून वर्षा के दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 90 प्रतिशत रहने के अनुमान से मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण पर ऊपर की ओर जोखिम पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का वस्तु व्यापार और कुल व्यापार घाटा बढ़ गया है।

सीईए ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में भी इसी तरह का रुझान, संभवतः और अधिक घाटे के साथ, देखने को मिल सकता है। ऐसा होने से चालू खाते पर और दबाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सफल व्यापार समझौतों, खासकर भारत-अमेरिका और भारत-यूरोपीय संघ व्यापार में प्रगति से उत्पन्न नीतिगत स्पष्टता निर्यात और पूंजी प्रवाह को समर्थन देने की उम्मीद है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता पूंजी प्रवाह की स्थिति पर लगातार दबाव बनाए हुए है।

'टाटा मोटर्स का वैश्विक विस्तार पर जोर, शीर्ष चार वाणिज्यिक वाहन कंपनी बनने का लक्ष्य'

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी अगले पांच वर्षों में वैश्विक विस्तार पर ध्यान देगी और उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व हासिल करने के साथ अपने मजबूत खंड में शीर्ष स्थान बनाए रखेगी। चंद्रशेखरन ने गोवा में आयोजित 'कमर्शियल व्हीकल (सीवी) डीलर बिजनेस प्लानिंग मीट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स मजबूत मात्रा वृद्धि के दम पर अगले तीन-चार वर्षों में विभिन्न वाणिज्यिक वाहन खंड में अपनी नेतृत्व स्थिति और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा समूह का वाहन कारोबार अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन चुका है और अकेले यह खंड ही करीब 80 अरब डॉलर का राजस्व हासिल करने की ओर अग्रसर है।

रामलिंगा रेड्डी ने मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता रामलिंगा रेड्डी ने कर्नाटक मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे पर नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह बेंगलूरु विकास विभाग चाहते थे, लेकिन उन्हें बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का विभाग सौंप दिया गया। इस्तीफे की घोषणा मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा बृहस्पतिवार रात को मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किए जाने के बाद आई है। रेड्डी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं क्योंकि मैं अपनी अंतरात्मा के विरुद्ध जाकर काम नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, मैं इस अपमान को आखिर कब तक सहन करूं और मेरे पास इसके अलावा क्या विकल्प था?

रेड्डी ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने मुझे दो बार फोन किया और मुझे वह (बेंगलूरु विकास) विभाग देने का वादा किया, लेकिन अंत में वह किसी और को मिल गया। इसलिए मुझे दुख हुआ है। अतः आज मैं इस्तीफा दे रहा हूं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस में बने रहेंगे और विधायक पद पर रहेंगे। यह घटनाक्रम शिवकुमार सरकार के लिए पहली बड़ी चुनौती मानी जा रही है, जिसने बुधवार को ही सत्ता संभाली थी। बेंगलूरु से आठ बार विधायक रहे रेड्डी ने कहा कि उन्होंने अपने पांच दशक लंबे राजनीतिक करियर के दौरान कभी मंत्री पद के लिए पैरवी नहीं की और न ही पार्टी नेतृत्व से किसी विशिष्ट विभाग की मांग की। उन्होंने 2013 से 2018 के बीच पिछली कांग्रेस सरकार के गठन के बाद की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, मैंने सिद्दरामय्या से बेंगलूरु विकास विभाग कभी नहीं मांगा। उन्होंने स्वेच्छा से इसकी पेशकश की। रेड्डी ने मई 2023 से मई 2026 तक सिद्दरामय्या

सरकार में परिवहन मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

रेड्डी ने कहा कि शिवकुमार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले उन्होंने विधान परिषद की एक सीट के लिए एक पार्टी नेता के नाम की सिफारिश के संबंध में उनसे मुलाकात की थी और मंत्री पद या किसी अन्य विभाग की कोई मांग नहीं रखी थी। उन्होंने कहा, मैंने उनसे कभी मंत्री बनाने के लिए नहीं कहा। मैंने सिद्दरामय्या से कभी खुद को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए नहीं कहा। मैंने कभी आलाकमान से संपर्क नहीं किया। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने हालिया मंत्रिमंडल गठन के दौरान भी किसी विशिष्ट विभाग की मांग नहीं की थी।

जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी नेतृत्व द्वारा राजी किए जाने पर या उन्हें मनचाहा विभाग दिए जाने पर वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करेंगे, तो रेड्डी ने दृढ़ता से नहीं में जवाब दिया। वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस घटनाक्रम से निराश होने के बावजूद उन्हें किसी भी नेता के प्रति कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे सिद्दरामय्या से कोई नाराजगी नहीं है। मुझे शिवकुमार से कोई नाराजगी नहीं है। मुझे (मल्लिकार्जुन) खरगे से कोई नाराजगी नहीं है। मुझे आलाकमान से कोई नाराजगी नहीं है।

यह पूछे जाने पर कि कि क्या यह घटना अपमानजनक थी, तो उन्होंने पत्रकारों से से कहा, चलिए, मैं आपसे एक सवाल पूछता हूं। मुझे क्या करना चाहिए था? आप ही बताइए। संवाददाता सम्मेलन के दौरान ही कांग्रेस नेतृत्व की ओर से असंतुष्ट मंत्री को मनाने की कोशिश की गई। लेकिन रेड्डी अपने फैसले पर अडिग रहे और संकेत दिया कि उनका त्यागपत्र व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करने के बजाय मध्यस्थों के माध्यम से सरकार को भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं इसे भेज दूंगा। मैं खुद नहीं जाऊंगा। मैं जाना नहीं चाहता। जब नेताओं ने आलाकमान का संदेश लेकर उनसे संपर्क किया, तो रेड्डी ने कहा कि अब किसी भी सुझाव पर ध्यान देने का समय बीत चुका है। यह घटनाक्रम उस दिन सामने आया जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी राज्यसभा के लिए खरगे का नामांकन दाखिल करने बेंगलूरु में हैं। इसके अलावा, बेंगलूरु में नगर निगम चुनाव नजदीक हैं, जहां शहर के बड़े हिस्से में रेड्डी का दबदबा है।

पौधारोपण

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पौधा लगाया और उसे पानी दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या मौजूद थे।

मंत्री मुनियप्पा ने भी विभागों के आवंटन पर असंतोष जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने नवगठित डी.के. शिवकुमार सरकार में विभागों के बंटवारे पर शुक्रवार को सार्वजनिक रूप से असंतोष जताते हुए कहा कि वरिष्ठता का उचित सम्मान नहीं किया गया है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से विभागों के आवंटन पर पुनर्विचार करने की अपील की। उनकी यह टिप्पणी वरिष्ठ मंत्री रामलिंगा रेड्डी द्वारा विभागों के आवंटन पर असंतोष जताते हुए इस्तीफे की घोषणा के कुछ घंटे बाद आयी। मुनियप्पा को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सौंपा गया है, जबकि वह समाज कल्याण या कृषि विभाग चाहते थे।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, वरिष्ठता का ध्यान नहीं रखा गया है। रामलिंगा रेड्डी आठ बार विधायक चुने गए हैं। मैं भी आठ बार विधायक चुना गया हूं। अन्य नेता भी हैं जो सात, छह और पांच बार विधायक रहे हैं। इन सभी बातों को संतुलित तरीके से देखा जाना चाहिए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से अपील की कि वह यह सुनिश्चित करें कि अनुभवी

नेताओं के साथ समान व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा, मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से अपील करता हूं कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाए और वरिष्ठता का सम्मान किया जाए।

मुनियप्पा ने कहा कि उन्होंने ऐसे विभागों की मांग की थी जिनके माध्यम से वह व्यापक जनसेवा कर सकें और उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं पहले ही पार्टी नेतृत्व को बता दी थीं। उन्होंने कहा, जब राहुल गांधी हाल ही में आए थे, तब मैंने उनसे अनुरोध किया था कि मैं समाज कल्याण विभाग चाहता हूं ताकि लोगों की सेवा कर सकूं। मैं किसानों की सेवा के लिए कृषि विभाग चाहता था। सिंचाई विभाग भी ऐसा विभाग है जिसके माध्यम से किसानों की सेवा की जा सकती है। ऐसे विभागों पर विचार किया जाना चाहिए था। मंत्री ने कहा कि जिम्मेदारियों का आवंटन वरिष्ठता और आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं अनुरोध कर रहा हूं कि जो विभाग आवंटित किए गए हैं, उनमें बदलाव किया जाए और ऐसे विभाग दिए जाएं जो जनसेवा के लिए अधिक उपयोगी हों।

रामलिंगा रेड्डी की आपत्तियों का उल्लेख करते हुए मुनियप्पा ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं को विभागों के बंटवारे में अधिक महत्व मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, शायद एक-दो नेताओं को छोड़कर, रेड्डी सबसे वरिष्ठ नेताओं में से हैं। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

मुनियप्पा ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद से वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेकर विभागों के आवंटन की समीक्षा करने का आग्रह किया। पार्टी के साथ अपने लंबे जुड़ाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, मेरा राजनीतिक जीवन 50 वर्षों का है। मैंने इन सभी वर्षों में पार्टी के एक जमीनी कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। मैं केवल यह अनुरोध कर रहा हूं कि असंतुलन को दूर किया जाए। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी नेतृत्व इन चिंताओं का समाधान करेगा।

मुआयना

शुक्रवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को विधानसभा हॉल दिखाया। राहुल आज दिल्ली से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कराने के लिए यहां आए हुए थे। विधानसभा में उनके साथ मंत्री यूटी खादर भी उपस्थित थे।

रामलिंगा रेड्डी की चिंताओं का समाधान निकाल लिया जाएगा : शिवकुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि विभागों के बंटवारे को लेकर मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे के मुद्दे का समाधान बातचीत के जरिए निकाल लिया जाएगा। उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता को अपना करीबी मित्र और सम्मानित सहयोगी भी बताया। यहां संवाददाताओं से बातचीत में शिवकुमार ने कहा कि रेड्डी की आपत्ति उन्हें आवंटित विभाग की प्रकृति को लेकर है और उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, रामलिंगा रेड्डी मेरे सहयोगी और वरिष्ठ नेता हैं। उनकी चिंता यह है कि जिस विभाग की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, उसमें काफी यात्रा करनी पड़ती है और वह कोई दूसरा विभाग चाहते हैं। मैं इस मामले पर उनसे चर्चा करूंगा और इसका समाधान निकालूंगा। चिंता की कोई बात नहीं है। इससे पहले, रेड्डी ने दावा किया कि उन्हें बेंगलूरु विकास विभाग देने का वादा किया गया था, लेकिन उन्हें बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का मंत्री बना दिया गया।

मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, निवेश और सहयोग पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को यहां जर्मनी के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की और द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए निवेश के अवसरों पर चर्चा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जर्मनी के थुरिंगिया प्रांत के मिनिस्टर-प्रेसिडेंट मारियो वोइग्ट के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल इस समय कर्नाटक के दौरे पर है। इस अवसर पर शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक और थुरिंगिया संयुक्त उद्यम, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा कौशल एवं प्रतिभा के आदान-प्रदान सहित आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार और थुरिंगिया नवाचार को बढ़ावा देने तथा अगली पीढ़ी की तकनीकों को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे।

बैठक में शामिल रहे कर्नाटक के भारी एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि कर्नाटक और थुरिंगिया के बीच ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग की प्रबल संभावनाएं हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पाटिल ने थुरिंगिया की कंपनियों को कर्नाटक में इन क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया और इस बात का भी उल्लेख किया कि राज्य की औद्योगिक नीति में इन क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है। पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार पूरे कर्नाटक में संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि राज्य सेवा क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखने के साथ-साथ अब विनिर्माण पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने थुरिंगिया की कंपनियों से कर्नाटक में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। बयान में कहा गया है कि विभिन्न प्रस्तुतियों पर प्रतिक्रिया देते हुए वोइग्ट ने कर्नाटक के मजबूत अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पारिस्थितिकी तंत्र, अत्यधिक कुशल डिजिटल प्रतिभा, इंजीनियरिंग क्षमताओं, विश्व स्तरीय स्टार्टअप माहौल और क्वांटम प्रौद्योगिकी एवं एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की सराहना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार एलके अतीक और उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव एस. सेल्वाकुमार मौजूद थे।

खरगे ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। 'विधान सौधा' में उनके नामांकन दाखिल करने के अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और के सी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद तथा राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि नामांकन पत्र विधानसभा सचिव एम के विशालाक्षी को सौंपे गए। खरगे वर्तमान में राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं और संसद के उच्च सदन में उनका कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो रहा है। पार्टी ने कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए खरगे के अलावा पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को मैदान में उतारा है। खेड़ा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख हैं। खान वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हैं। उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव बेंगलूरु सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि दोनों खेड़ा और खान बाद में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि आठ जून है।

मुझे पूरा भरोसा है कि अगली बार किसी महिला को मंत्री पद मिलेगा : लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने शुक्रवार को कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि कैबिनेट विस्तार के दूसरे चरण में किसी महिला को मंत्री पद मिलेगा। पार्टी हाईकमान जो भी फैसला लेगा, हम उसके लिए तैयार हैं। मीडिया के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार में कोई कंफ्यूजन नहीं है। मुख्यमंत्री डीके

शिवकुमार वरिष्ठ और काबिल हैं। उन्होंने कहा कि वह सबको भरोसे में लेकर सरकार चलाएंगे।

रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि डेमोक्रेसी में राय की वैल्यू होती है। पार्टी के सीनियर इस पर फैसला करेंगे। इस सवाल पर कि क्या बेलगावी की पॉलिटिक्स आपके मंत्री पद में रुकावट डाल रही है, निश्चित रूप से ऐसा कुछ नहीं है। सब कुछ 2023 में ही तय हो चुका है। हम पूरी शांति के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

बेलगावी एक बड़ा जिला है और हमने मांग की है कि दो और मंत्री पद दिए जाएं। उन्होंने कहा, बेलगाम तीन जिलों के बराबर बड़ा है। इसलिए हमने एक अतिरिक्त मंत्री पद मांगा है।

'दपरे' के बेंगलूरु रेलवे डिवीजन ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु डिवीजन में जलवायु परिवर्तन थीम के तहत शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2026 धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। डीआरएम सिंह ने यात्रियों को कपड़े के थैले बांटे और उनसे पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने की अपील की।

डीआरएम कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिससे ग्रीन कवर बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने के प्रति डिवीजन की प्रतिबद्धता और मज़बूत हुई।

स्काउट्स एंड गाइड्स ने नाटक के जरिए पेड़ों को बचाने और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खतरों के प्रति जागरूक किया। लोगों को पर्यावरण से जोड़ने के लिए एक 'पर्यावरण जागरूकता सेल्फी स्टैंड' का उद्घाटन भी किया गया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त डिविजनल रेलवे मैनेजर परीक्षित मोहनपुरिया, प्रवीण कतारकी और सीनियर डिविजनल एनवायरनमेंट एंड हाउसकीपिंग मैनेजर अजीमुद्दीन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। यह अभियान बेंगलूरु डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों और रेलवे कॉलोनियों में भी चलाया गया।

स्वागत

शुक्रवार को बेंगलूरु में हुए 'द हिंदू' अखबार के 'द हिंदू हेडल कॉन्क्लेव' समारोह में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को कश्मीरी शॉल ओढाकर सम्मानित करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला। इस मौके पर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश और हिंदू अखबार के ओपिनियन पेज के एडिटर नारायण लक्ष्मण मौजूद थे।

बातचीत से निकलेगा समाधान : वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी द्वारा विभागों के आवंटन को लेकर इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को मामले को ज्यादा तूल न देते हुए विश्वास जताया कि पार्टी नेतृत्व उनसे बातचीत कर इस मुद्दे का समाधान निकाल लेगा। रेड्डी ने यह आरोप लगाते हुए इस्तीफा देने की घोषणा की कि उन्हें बेंगलूरु विकास विभाग देने का आश्वासन दिया गया था। इसके कुछ घंटों बाद कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे और कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक दिनेश गुंडू राव ने अलग-अलग बयान में कहा कि अनुभवी नेता की चिंताओं का समाधान बातचीत के जरिए निकाल लिया जाएगा। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, रेड्डी कांग्रेस के वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं। उनकी जो भी नाराजगी हो, पार्टी नेतृत्व उनके साथ बैठेगा और उसका समाधान निकालेगा। इसमें कोई समस्या नहीं है।

बेंगलूरु से आठ बार विधायक रह चुके वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामलिंगा रेड्डी ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा बृहस्पतिवार रात 13 सदस्यीय मंत्रिपरिषद के विभागों का बंटवारा किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। उन्हें बड़े और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि बेंगलूरु विकास विभाग ब्यातरायणपुरा के विधायक कृष्णा बायरे गौड़ा को दिया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या रेड्डी ने अपना इस्तीफा पहले ही सौंप दिया है, इस पर खरगे ने कहा, मामला जो भी हो, हमारा पार्टी नेतृत्व निर्णय लेगा और उनसे बात करेगा। वह कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियंक खरगे ने पार्टी और राज्य दोनों के लिए रेड्डी को अहम बताया। उन्होंने कहा, वह पार्टी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वह राज्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। वह आठ बार चुनाव जीत चुके हैं। हमें उनके अनुभव की जरूरत है। यह टिप्पणी उन्होंने उस सवाल के जवाब में की कि क्या पार्टी रेड्डी को अपना फैसला बदलने के लिए मनाने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद ने कहा कि वह रेड्डी से बात करेंगे और मामले का समाधान निकालेंगे। उन्होंने कहा, राजनीति में ऐसी चीजें होती रहती हैं। कोई समस्या नहीं है। वह हमसे बात करेंगे, कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कुछ नहीं करेंगे। सिद्दरामय्या सरकार में मंत्री रह चुके दिनेश गुंडू राव ने कहा कि उन्हें घटनाक्रम की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि पार्टी नेतृत्व इस विवाद का समाधान निकाल लेगा। गांधीनगर से विधायक राव ने कहा, मुख्यमंत्री संभवतः उनसे बात करेंगे। आखिरकार रेड्डी एक वरिष्ठ मंत्री हैं और उनसे बातचीत करना जरूरी है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और इसका समाधान निकालेंगे। शिवकुमार और रेड्डी के लंबे राजनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री और रेड्डी के बीच बहुत करीबी संबंध और दोस्ती है। वे लंबे समय से राजनीति में साथ रहे हैं। वास्तव में, वे सभी 1989 में एक साथ विधायक बने थे। उन्होंने कहा, मामला जो भी हो और उसका समाधान जिस तरह भी करना हो, मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री निश्चित रूप से इसे सुलझा लेंगे।

तेज आंधी औ बारिश से जुड़ी घटनाओं में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तेज आंधी और बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तेज आंधी से कई मकानों को नुकसान पहुंचा है। एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के अनेक हिस्सों में तेज आंधी आयी और बारिश हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आंधी के कारण दीवारें गिरने से धौलपुर, भरतपुर और भीलवाड़ा जिलों में जनहानि हुई। वहीं बीकानेर में एक सरकारी स्कूल की छत गिर गई लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस ने बताया कि भरतपुर जिले के झोरोल गांव में देर रात हुई जोरदार बारिश से एक निर्माणाधीन इमारत की दीवार गिर गई, जिसके नीचे दबकर 55 वर्षीय इंदिरा देवी की मौत हो गई और इस घटना में उनका दिव्यांग बेटा घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, भीलवाड़ा के बिजोलिया में ऐसे ही एक हादसे में 45 साल के देवीलाल धाकड़ की मौत हो गई।

वहीं धौलपुर के बसेड़ी इलाके में तेज आंधी से एक दीवार गिर गई और मलबे के नीचे दबने से दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भरतपुर जिले के रहने वाले रामफूल सिंह और समय सिंह बकरियां चराकर घर लौट रहे थे कि तभी चली तेज आंधी से बचने के लिए वे दीवार के सहारे बैठ गये। पुलिस के मुताबिक, दीवार उन पर गिर गई और उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस बीच मौसम विभाग के अनुसार, एक परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहने का अनुमान है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक के 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में 75 मिलीमीटर (मिमी) दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी, बारिश की गतिविधियां आगामी दो से तीन दिन जारी रहने का अनुमान है।

विभाग ने बताया कि आंधी-बारिश की गतिविधियों में आठ जून से कमी होने और तापमान में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। विभाग के मुताबिक, पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में आठ से 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस रहने व कहीं-कहीं लू चलने का अनुमान है।

राजस्थान में आंधी, बारिश की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान

एक परिसंचरण तंत्र के प्रभाव के कारण राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हुई। सर्वाधिक 75 मिलीमीटर बारिश बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी बारिश की गतिविधियां आगामी 2-3 दिन जारी रहने की संभावना है। इसके बाद पूर्वी राजस्थान में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। आंधी बारिश की गतिविधियों में आठ जून से कमी तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में 8 से 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व कहीं-कहीं 'हीटवेव' चलने की संभावना है।

विदेशी युवती में इबोला वायरस संक्रमण जैसे लक्षण दिखे, अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर पहुंची युगांडा की 19 वर्षीय एक युवती में इबोला वायरस संक्रमण जैसे लक्षण पाए जाने के बाद उसे यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि युवती से लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और अब तक उसमें इस बीमारी की पुष्टि नहीं हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, युवती शारजाह से जयपुर पहुंची थी और हवाई अड्डे पर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम ने जांच के दौरान उसमें लक्षण पाए। उन्होंने बताया कि इसके बाद उसे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे विशेष देखभाल इकाई में पृथकवास में रखा गया। आरयूएचएस के प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि मरीज से लिया गया एक नमूना जांच के लिए पुणे भेजा गया है जबकि दूसरा नमूना 48 घंटे बाद भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट आने तक मरीज को पृथकवास में रखा जाएगा। ग्रोवर ने बताया, अगर जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो मरीज को 21 दिनों तक पृथकवास में रखा जाएगा और उसी के अनुरूप उसका उपचार किया जाएगा। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा कि महिला में अभी तक इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है और उसमें केवल इस संक्रमण जैसे कुछ लक्षण दिखाई दिए हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ लक्षणों के आधार पर इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं की जा सकती।

अधिकारियों के अनुसार, महिला को करीब एक महीने से पेट दर्द व भूख न लगने की शिकायत थी और फिलहाल उसे सिरदर्द है। उन्होंने बताया कि महिला पर्यटक के रूप में जयपुर आई थी। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर उसी उड़ान में उसके साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को घर पर अलग रहने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में हर नागरिक दें योगदान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं और राज्य को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में योगदान दें। बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करें ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित आवरण मिले। मुख्यमंत्री शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं जिनके सकारात्मक परिणाम आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत अभियान, मिशन लाइफ, नमामि गंगे, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, पीएम सूर्य घर योजना की पहलों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाया जिससे प्रकृति के प्रति नवचेतना का संचार हुआ है।

उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो में 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें से लगभग 19 करोड़ पौधे लग चुके हैं। वहीं, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए आवंटित लक्ष्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ पर्यावरण एवं हरित विकास की दिशा में कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में चयनित जिलों में 11-11 हजार पौधे लगाकर नमो चंदन वन स्थापित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर नमो नर्सरी, प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर नमो वन, 16 जिलों में मॉडल उद्यान ऑक्सीजोन, 21 जिलों में गोबरधन-परियोजना के तहत बायो-गैस संयंत्र, 29 अमृत शहरों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ ही, जयपुर में वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान हेतु अर्ली वॉर्निंग सिस्टम स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कैच द रेन अभियान से प्रेरणा लेकर हमने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान शुरू किया, जिसके माध्यम से प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि में जल संरक्षण कार्यों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 25 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर प्रारंभ किया गया वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसमें 1 करोड़ 80 लाख महिलाओं सहित लगभग 4 करोड़ नागरिकों ने योगदान दिया है, जिससे व्यापक स्तर पर जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को जल एवं ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के हर जिले को पर्याप्त पानी देने के लिए योजना बनाई गई है। वहीं, किसान, उद्योग एवं घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। जल संसाधनों के संरक्षण, पुनर्भरण और समुचित उपयोग के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार मिशन हरियालो राजस्थान, एक पेड़ मां के नाम, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, नमो नर्सरी, चंदन वन एवं हरित अरावली विकास एवं संरक्षण जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और जनभागीदारी आधारित अभियानों से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

समारोह में अलवर एवं भिवाड़ी में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ किया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, ग्रीन-को रेटिंग योजना और हैकाथॉन विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस दौरान आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास, 7 नवीन पौधशालाओं तथा 8 प्रे-बेस ऑग्मेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कैम्पा योजना के अंतर्गत निर्मित 5 फॉरेस्ट गार्ड चौकियों, 1 क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय एवं आवासीय भवन का लोकार्पण भी किया।

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के नीरज डांगी ने नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राज्यसभा की तीन सीट के लिए होने वाले चुनाव में कांग्रेस की ओर से नीरज डांगी ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कांग्रेस की ओर से डांगी ने निर्वाचन अधिकारी भारत भूषण शर्मा को नामांकन पत्र पेश किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि डांगी ने तीन नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इस अवसर पर कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद थे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डांगी इस समय राज्यसभा के सदस्य हैं और वह 2020 में राजस्थान से राज्यसभा के लिए चुने गए थे। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया और राष्ट्रीय महासचिव अलका गुर्जर को उम्मीदवार घोषित किया है।

राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट के लिए चुनाव की प्रकिया सोमवार से शुरू हो गई। नामांकन आठ जून तक किये जा सकते हैं, नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को होगी जबकि 11 जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, जरूरी होने पर मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा जबकि मतगणना उसी दिन शाम पांच बजे शुरू होगी। चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक पूरी हो जाएगी।

राज्य से राज्यसभा के तीन सदस्यों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके मद्देनजर यह चुनाव करवाया जाएगा। जिन सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें कांग्रेस के नीरज डांगी और भारतीय जनता पार्टी के राजेंद्र गहलोत तथा रवनीत सिंह हैं। राजस्थान में राज्यसभा की कुल 10 सीट हैं।

राजस्थान में जमीनी स्तर के नवाचारों को मिलेगा नया मंच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने आमंत्रित किए आवेदन

जयपुर। राजस्थान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने राज्यभर के जमीनी स्तर के नवाचारों की पहचान, प्रलेखन एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से विभागीय वेबसाइट पर नवाचार आमंत्रण प्रक्रिया प्रारम्भ की है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव डॉ. आरुषि मलिक ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समस्याओं के प्रभावी समाधान, आजीविका संवर्धन, सतत विकास तथा समाज के समग्र कल्याण में योगदान देने वाले नवाचारों को पहचान प्रदान करना एवं उन्हें व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

विभाग ने ऐसे नवप्रवर्तकों, किसानों, विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सामुदायिक संगठनों से अपने नवाचार प्रस्तुत करने का आग्रह किया है, जिन्होंने कोई अभिनव समाधान, तकनीक, उत्पाद, प्रक्रिया अथवा सर्वोत्तम कार्य-पद्धति का विकास किया है और जो समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती है। जमीनी स्तर पर विकसित नवाचार स्थानीय चुनौतियों का समाधान प्रदान करते हैं। साथ ही, राज्य एवं देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभाग ऐसे नवाचारों को उपयुक्त मंच उपलब्ध कराने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीकानेर हाउस में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान सरकार के 'हरियालो राजस्थान' तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के शुभारंभ के क्रम में मुख्य सचिव और नई दिल्ली में राजस्थान के मुख्य आवासीय आयुक्त वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर राजस्थान के आवासीय आयुक्त नवीन जैन ने भी पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा 'हरियालो राजस्थान' मिशन के तहत राज्यभर में वर्षा ऋतु के दौरान व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर से की है।

आवासीय आयुक्त नवीन जैन ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राजनीति में दूसरों को 'कमतर' बताने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्णः अशोक गहलोत

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति में जो लोग खुद को ज्यादा 'कद्दावर' दिखाने के लिए दूसरों को कमतर दिखाने की कोशिश करते हैं वे आखिरकार नाकाम ही होते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली तरक्की अपनी क्षमताओं को मजबूत करने से ही होती है। गहलोत ने यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीति में दूसरों को 'कमतर' बताने की कोशिश ही रहती है।

उन्होंने कहा, लाइनें काटने के बजाय खुद की लाइनें बड़ी करनी पड़ती हैं। दुर्भाग्य से राजनीति क्या है?... एक-दूसरे की लाइनें काटो और अपनी लाइन बड़ी बताओ। पूर्व मुख्यमंत्री ने जनहित के मुद्दे उठाने, जनता के बीच में जाने पर जोर दिया। गहलोत ने कहा कि देश में आज स्थिति बड़ी विकट है और युवा पीढ़ी को इसे समझना होगा।

उन्होंने 2020 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर आए राजनीतिक संकट के लिए एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और केंद्रीय नेताओं पर निशाना साधा। गहलोत ने पर्यावरण दिवस पर 'ग्रेट निकोबार' का मुद्दा उठाते हुए रक्षा के नाम पर पर्यावरण से खिलवाड़ पर चिंता जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार के जमीनी सच को देश के सामने रखा है। रक्षा के नाम पर पर्यावरण से यह खिलवाड़ और पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने की नीति बेहद चिंताजनक है। गहलोत के अनुसार, 1.5 करोड़ पेड़ों की कटाई, कोरल रीफ की तबाही और वहां के आदिवासियों व पूर्व सैनिकों को विस्थापित कर होटल-कैसीनो का निर्माण कतई स्वीकार्य नहीं है।

सहायक अभियंता रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शुक्रवार को टोंक जिले में बिजली वितरण कंपनी 'जेवीएनएल' के सहायक अभियंता व एक अन्य व्यक्ति को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेवीएनएल के सहायक अभियंता नवनीत सिंह गुर्जर व कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम को गिरफ्तार किया गया है।

वृक्षारोपण में आमजन निभाएं सक्रिय भागीदारी : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर 'हरियालो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर मिशन हरियालो राजस्थान में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। हम सभी को राजस्थान को पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति आमजन भी अपनी जिम्मेदारियों का समर्पण भाव से निर्वहन करें और नई पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने की दृष्टि से 10 करोड़ पौधे लगाने एवं संरक्षण का लक्ष्य रखा गया है।

कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना है : सुथार

जयपुर । विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड की तृतीय गवर्निंग बोर्ड की बैठक शुक्रवार को बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सुथार ने कहा कि बोर्ड का उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके लिए बेहतर रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर ऋषभ मंडल, आयुक्त एवं प्रबंध निदेशक, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने बोर्ड की गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

बैठक में युवाओं को अधिक से अधिक रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, पारंपरिक कौशलों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने तथा स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव एवं निर्णय लिए गए। कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्वरोजगार प्रोत्साहन तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ विभाग, उद्योग विभाग, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोर्ड कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित उपस्थित अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान के निर्माण का संदेश दिया। सुथार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सतत संकल्प है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

आज पूरी मानवता चुका रही है पर्यावरण की उपेक्षा की कीमत : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पर्यावरण की उपेक्षा की कीमत आज पूरी मानवता चुका रही है।

योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विश्व पर्यावरण दिवस–2026 के अवसर पर विश्व बैंक समर्थित 2,741 करोड़ रुपए की लागत वाली भारत की पहली एयरशेड आधारित 'उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना' की शुरुआत करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विश्व बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। विश्व बैंक में एशिया क्षेत्र की प्रैक्टिस मैनेजर एन जैनेट ग्लोबर व सीईओ यूपी कैंप बी. चंद्रकला ने एमओयू का हस्तांतरण किया। बलिया स्थित सुरहा ताल देश का 100वां व उत्तर प्रदेश का 13वां रामसर साइट्स बना।

योगी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज का दिन हम सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सामान्य बोलचाल की भाषा में कहा जाता है कि ''जल है तो कल है, वन है तो जीवन है। एक दूसरे के साथ जीवन चक्र जुड़ा हुआ है, लेकिन उनकी (पर्यावरण की) हमने सर्वाधिक उपेक्षा भी की है और उस उपेक्षा की कीमत आज पूरी मानवता चुका रही है। उन्होंने कहा कि 40–45 या 50 वर्ष की उम्र का हर व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसके जीवन के कालखंड में पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को हम सब चुका रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबने मौसम चक्र को बदलते हुए देखा होगा और आज से 25 वर्ष पहले मौसम का जो चक्र होता था, उसमें एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया है। उन्होंने कहा कि अगर मौसम चक्र में अंतर आएगा तो सबसे अधिक प्रभावित किसान होगा और उसकी आमदनी पर असर पड़ेगा।

योगी ने कहा, हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा। खाद्यान्न का संकट खड़ा हो सकता है और पूरी दुनिया उन चीजों से चिंतित भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असमय घटने वाली प्राकृतिक आपदाएं एक चेतावनी भी हैं जिनसे बचने के लिए उपायों के प्रयास करना है।

'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना अंतिम चरण में, नए सुरक्षा ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक से होगा लैस : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना अंतिम चरण में है, और नए सुरक्षा ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा तथा इसमें स्थानीय प्रशासन और सीमा प्रहरी भी शामिल होंगे।

त्रिपुरा के लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जहां भी बल के जवान तैनात होंगे, ''हम वहां स्मार्ट बॉर्डर बनाएंगे''। गृह मंत्री ने कहा कि जल्दी ही 'स्मार्ट बोर्डर' प्रणाली लागू की जायेंगी, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा प्रहरियों को शामिल करते हुए एक समन्वित सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाएगा।

शाह ने कहा, ''स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के तौर पर देश के सात–आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। मैं केंद्रीय गृह सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक से अनुरोध करता हूं कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करें और संवाद करें।''

शाह ने कहा कि मानव तस्करी और हथियारों की तस्करी से लेकर मादक पदार्थों की तस्करी तक हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, ''लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।''

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''भारत को 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए हमें सीमा पार से नकली नोटों की तस्करी, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी को रोकना होगा।''

शाह ने मई में कहा था कि सरकार अगले साल तक एक तकनीक–सक्षम ''स्मार्ट बॉर्डर'' परियोजना शुरू करेगी ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 6,000 किलोमीटर लंबी सीमा को अभेद्य बनाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश की जनसांख्यिकी को बदलने का ''षड्यंत्र'' विफल हो जाए। उन्होंने कहा था कि 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना के तहत ''अभेद्य'' सीमा बनाने के लिए तकनीक, ड्रोन, रडार और स्मार्ट कैमरों का उपयोग किया जाएगा।

असम मंत्रिपरिषद का विस्तार : भाजपा के 11 और अगप के एक विधायक ने मंत्री पद की शपथ ली

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रनोज पेगू, अशोक सिंघल, बिस्वजीत दैमारी और असम गण परिषद (अगप) के केशव महंत सहित 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस विस्तार के साथ ही राज्य मंत्रिपरिषद में सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां 'ज्योति–बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर' में आयोजित एक समारोह में विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गेरिटा, असम विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और राजग के कई विधायक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में नए मंत्रियों के बारे में कहा, ''यह एक संतुलित टीम है, जो लोगों के सभी वर्गों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है और उनका अनुभव एवं ज्ञान विकसित असम के निर्माण के हमारे संकल्प को और मजबूत करेगा।'' शर्मा ने पोस्ट में कहा, ''टीम असम आज और भी मजबूत हो गई है तथा नए जोश के साथ लोगों की सेवा करने के लिए तैयार है।'' शपथ लेने वाले मंत्रियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका अनुभव और बुद्धिमत्ता मंत्रिपरिषद में अमूल्य योगदान देगी तथा तीव्र गति से विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगी। मंत्रिपरिषद में शामिल नए चेहरों में भाजपा के अश्विनी राय सरकार, नीलिमा देवी और सुशांत बोरगोहेन हैं। धुबरी जिले के गोलकगंज का प्रतिनिधित्व करने वाले राय सरकार 2016 के बाद इस साल दूसरी बार विधायक बने हैं। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष नीलिमा देवी पहली बार विधानसभा के लिए चुनी गई हैं और मंगलदोई निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। तीसरी बार विधायक बने बोरगोहेन ने पहले 2011 से 2016 तक कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने 2021 में भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। वह ऊपरी असम के डेमो निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। हिमंत विश्व शर्मा की पिछली मंत्रिपरिषद और सोनोवाल के नेतृत्व वाली राज्य की पहली भाजपा सरकार में भी शामिल रहे अगप नेता महंत को इस बार भी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है।

मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल ने पौधारोपण को जन आंदोलन बना दिया : नड्डा

शिलांग/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यहां पौधारोपण अभियान में हिस्सा लिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के बाद पौधे रोपना एक जन आंदोलन बन गया है।

नड्डा ने कहा कि मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को व्यक्तिगत जिम्मेदारी से जोड़ा है और देश भर के करोड़ों लोगों को एक बेहतर भविष्य में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम शुरू किया। इसके तहत, देश भर में लाखों भाजपा कार्यकर्ता विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधे लगा रहे हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकी संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, '' 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के रूप में एक पौधे से शुरू हुई पहल आज करोड़ों लोगों की भागीदारी के साथ एक जन आंदोलन बन रही है, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों की जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर रही है।''

सभी मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, तभी जीवन सुरक्षित रहेगा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लोगों से पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि ''सभी मिलकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं, तभी जीवन सुरक्षित रहेगा।''

चौधरी ने जयप्रकाश (जेपी) गंगा पथ पर समग्र उद्यान परियोजना के तहत एक लाख पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पौधारोपण के कारण आने वाले समय में जेपी गंगा पथ ऑक्सीजन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जीवन के लिए ऑक्सीजन सबसे महत्वपूर्ण है। जीवन चक्र को आगे बढ़ाने के लिए ऑक्सीजन और ऑक्सीजन के लिए पौधारोपण आवश्यक है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा।'' चौधरी ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के जागरूकता वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन राज्य के विभिन्न जिलों में जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करेंगे। चौधरी ने कहा कि झारखंड के अलग होने के समय बिहार में वन क्षेत्र 10 प्रतिशत से भी कम था लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किए गए प्रयासों से राज्य में वन क्षेत्र का विस्तार हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण अनुकूल उपायों को बढ़ावा दे रही है और महिलाओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने पर 12,000 रुपए तथा चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर एक लाख रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बिहार में तेजी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में पांच लाख घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। चौधरी ने बताया कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन होने पर राज्य सरकार उसे खरीदेगी और भुगतान सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खातों में किया जाएगा।

ओडिशा : केंद्रपाड़ा में अवैध पटाखा फैक्टरी में धमाका, बुजुर्ग महिला घायल

केंद्रपाड़ा/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में कथित तौर पर अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए धमाके की चपेट में आकर 74 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात को मार्शाघाई पुलिस थाना क्षेत्र के ओस्ताराहट गांव में घटी।

पुलिस के मुताबिक घायल महिला की पहचान बिलासिनी मलिक के रूप में हुई है। उसने बताया कि महिला को पहले मार्शाघाई स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया था और बाद में हालत बिगड़ने पर केंद्रपाड़ा स्थित जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। मार्शाघाई पुलिस थाने के निरीक्षक तपन नायक ने बताया कि यह घर गदाधर मलिक का था, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर अस्थायी पटाखा निर्माण इकाई के तौर पर किया जा रहा था और वहां अवैध रूप से पटाखे जमा करके रखे गए थे, जिनमें धमाका हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय उक्त मकान में कोई मौजूद नहीं था और घायल महिला वहां से गुजर रही थी। नायक ने बताया, '' धमाके के बाद मकान में भीषण आग लग गई और दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में लगभग तीन घंटे का समय लगा।''

अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से विस्फोटक प्रकृति के संदिग्ध रासायनिक पदार्थ बरामद किए। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए नमूनों को उनकी संरचना और उत्पत्ति का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि भारतीय विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

क्या तृणमूल खुद को बचा पाएगी?

ममता की पार्टी 28 साल के इतिहास के सबसे गंभीर संकट से जूझ रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने और विधानसभा में 58 विधायकों के विद्रोह के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) एक ऐसे प्रश्न का सामना कर रही है जो कुछ समय पहले तक असंभव माना जाता थाक्या यह पार्टी अब अपने अस्तित्व को बचा पाएगी जिस पर लगभग तीन दशकों से ममता बनर्जी की मजबूत पकड़ रही है? करीब 28 वर्षों से तृणमूल की आंतरिक व्यवस्था एक ही सिद्धांत पर टिकी रहीपार्टी और नेता ममता बनर्जी एक–दूसरे के पर्याय हैं। लेकिन अब पहली बार यह समीकरण गंभीर चुनौती के घेरे में है।

पार्टी के भीतर शुरू हुआ असंतोष अब विधानसभा से आगे बढ़कर सांसदों तक पहुंचने की आशंका पैदा कर रहा है। साथ ही नेतृत्व, उत्तराधिकार और संगठनात्मक नियंत्रण को लेकर भी गहरे मतभेद सामने आ रहे हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि पार्टी के प्रतीक 'जोरा घास फूल' (फूल और घास) पर नियंत्रण को लेकर भी भविष्य में विवाद की संभावना जताई जा रही है।

तृणमूल 1998 में अस्तित्व में आने के बाद से अपने 28 साल के इतिहास में सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। कांग्रेस से अलग हो कर ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की थी।

तृणमूल कांग्रेस के भीतर यह संकट केवल सत्ता से बाहर होने का नहीं बल्कि नेतृत्व की एकछत्र सत्ता पर उठे सवालों का है। हालांकि असंतुष्ट विधायक अब भी ममता बनर्जी के नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन ममता के भतीजे और राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी के प्रति खुला विरोध सामने आया है। पार्टी के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि जो लोग ममता बनर्जी का साथ छोड़ रहे हैं, उनका राजनीतिक अस्तित्व उनके बिना नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने आशंका जताई है कि असंतोष का यह माहौल आगे चलकर संसद तक फैल सकता है। हालांकि पार्टी नेतृत्व का दावा है कि अभी सांसदों के बीच किसी संगठित विद्रोह के संकेत नहीं हैं, लेकिन यह चिंता गहराती जा रही है कि विधानसभा का संकट लोकसभा और राज्यसभा तक जा सकता है। तृणमूल के पास वर्तमान में लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, और किसी भी तरह की टूट से विपक्षी राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हो सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह संकट महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में हुए विभाजन से मिलता–जुलता दिखता है, जहां विधायक संख्या और संगठनात्मक नियंत्रण के आधार पर राजनीतिक दल टूट गए थे। हालांकि तृणमूल के मामले में ममता बनर्जी की सक्रिय राजनीतिक मौजूदगी और जनाधार इसे अलग बनाता है।

राजनाथ सिंह ने ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्वदेशी हथियारों के इस्तेमाल का हवाला देते हुए ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दिया।

सिंह ने कहा, पिछले साल पहलगाम (जम्मू–कश्मीर) में कायरतापूर्ण हमले के बाद हमारे तीन सशस्त्र बलों ने संयुक्त रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया था। हमने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए सटीक हमले किए। हमने आतंकवादियों और उनके संरक्षक दोनों का सफाया कर दिया। उन्होंने कहा, हम इसे हासिल करने में सक्षम थे क्योंकि हमारा मनोबल ऊंचा था। हमारे पास स्वदेशी हथियार थे और हम अन्य देशों पर निर्भर नहीं थे। हमें ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में समान क्षमता (आत्मनिर्भरता) हासिल करनी होगी और मुझे विश्वास है कि हम इसे हासिल करेंगे।''

केंद्रीय मंत्री विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ में 'बाययुग' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि पर्यावरण संबंधी पहल केवल स्वच्छता के बारे में नहीं हैं, ऐसे प्रयासों से हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल भी बढ़ता है। सिंह ने कहा, जब हमारे छावनी क्षेत्र साफ–सुथरे होते हैं, तो बीमारियां कम होती हैं, जिससे समृद्धि आती है और हमारे सैनिकों का मनोबल बढ़ता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बढ़े हुए मनोबल का एक उदाहरण है।

सिंह ने कहा कि आज भारत में पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल मिलाया जा रहा है और ये एथनॉल गन्ने और फसलों से यहीं तैयार होता है। उन्होंने कहा, जब पश्चिम एशिया में संकट आया और तेल की कीमतें आसमान छू गईं, तो इससे वैश्विक उथल–पुथल मच गई। हालांकि, भारत उस झटके को अपेक्षाकृत अच्छी तरह से झेलने में सक्षम था क्योंकि हमने अपने ईंधन का 20 प्रतिशत एथनॉल घरेलू स्तर पर उत्पादित किया था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जैव ईंधन न केवल पर्यावरण की रक्षा कर रहा है बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए एक शक्तिशाली उपकरण भी बन रहा है। उन्होंने कहा, हमें अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी चाहिए। हमें अपनी घरेलू क्षमता बनाने और स्वदेशी संसाधनों से जुड़ी आपूर्ति शृंखलाएं स्थापित करने की जरूरत है। हमें अपनी जमीन, किसानों, संसाधनों और वैज्ञानिक प्रतिभा से विकल्प तैयार करने होंगे जो संकट के समय भी हमारी अर्थव्यवस्था को जारी रखें। सिंह ने कहा, हम अपने पर्यावरणीय दायित्वों को पूरा करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकते हैं। यही 'आत्मनिर्भरता' हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में मजबूत रखती है।

अभिषेक बनर्जी से जुड़े डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ शिकायतों की जांच शुरू : बंगाल के खेल मंत्री

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने शुक्रवार को कहा कि डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ मिली कई शिकायतों की जांच शुरू कर दी गई है। यह क्लब तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी से जुड़ा हुआ है और हाल ही में आई–लीग का खिताब जीतकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में पदोन्नति हासिल कर चुका है।

प्रमाणिक ने पत्रकारों को बताया कि क्लब के गठन और संचालन को लेकर कई आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा, डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। यह सवाल उठाया गया है कि क्या क्लब का गठन निर्धारित नियमों के अनुसार हुआ है? इसके अलावा क्लब के फंड के स्रोत और उसके उपयोग को लेकर भी आरोप हैं। इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।'' मंत्री ने यह भी कहा कि जांच के दायरे में क्लब के वित्तीय समर्थन को भी शामिल किया जाएगा और स्पॉन्सर्स से पूछताछ की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''क्लब के प्रायोजकों को भी बातचीत के लिए बुलाया जा सकता है। हम यह जांच करेंगे कि क्लब के लिए पैसा कहां से आ रहा है और वह कैसे उपलब्ध कराया जा रहा है।''

बिहार: खान ग्लोबल स्टडीज तोड़फोड़ मामले में खान सर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पटना/भाषा। बिहार के पटना स्थित 'खान ग्लोबल स्टडीज' में हुई तोड़फोड़ की घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में फैसल खान उर्फ 'खान सर' को नामजद किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंगलवार रात को 15 से 20 लोगों के एक समूह ने खान ग्लोबल स्टडीज संस्थान में कथित तौर पर तोड़फोड़ की थी और परिसर पर पथराव किया था।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा ने प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि करते हुए 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि खान ग्लोबल स्टडीज में तोड़फोड़ के मामले में दर्ज प्राथमिकी में खान सर का नाम शामिल किया गया है। शर्मा ने बताया, ''चूंकि प्राथमिकी में उनका (खान सर का) नाम है, इसलिए पुलिस उनसे पूछताछ करेगी।'' पुलिस ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि खान सर के खिलाफ कौन–कौन सी धाराएं लगाई गई हैं।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को कोचिंग संस्थान से जुड़े दो सुरक्षा गार्डों को मंगलवार रात कथित रूप से हवा में गोलीबारी करने के आरोप में हिरासत में लिया था। सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो प्रसारित होने के बाद यह कार्रवाई की गई, जिसमें दोनों गार्ड गोली चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

मेजबान भारत ने विश्व योगासन चैंपियनशिप के पहले दिन 5 स्वर्ण जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। मेजबान भारत ने पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप के पहले दिन शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले छह में से पांच स्वर्ण पदक जीत लिये ।

प. बंगाल के अभय बर्मन (सीनियर पुरूष) और रितु मंडल (सीनियर महिला) ने पारंपरिक योगासन वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। बर्मन ने 63 . 42 अंक लेकर भारत को पहला पीला तमगा दिलाया। इंडोनेशिया की अरकान रियांतो (57.23) दूसरे और उजबेकिस्तान की एलेन (53.21) तीसरे स्थान पर रही। सीनियर महिला वर्ग में रितु ने 64.33 अंक के साथ एक और स्वर्ण जीता। कजाखस्तान की ऐजान के (58.97) को रजत और हांगकांग की लाम एंगा मेन (56.98) को कांस्य पदक मिला। जीत के बाद रितु ने कहा,''हर योगासन खिलाड़ी के लिये यह चैम्पियनशिप ऐतिहासिक पल है । भारत के लिये पदक जीतना सपना सच होने जैसा है । मैने 12 वर्ष की उम्र से योग अभ्यास शुरू किया और आठ साल की मेहनत के बाद यह पदक जीता है ।'' सीनियर ए पुरूष वर्ग में सिंगापुर के नाथनियल तान लियोंग अन ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को सभी छह स्वर्ण नाम करने से रोक दिया। तंजानिया के करीमू स्वाफी को रजत और भारत के सुमीर नावाली को कांस्य पदक मिला । सीनियर ए महिला वर्ग में भारत की रितु ठाकुर ने 63 . 50 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता । अर्जेंटीना की नबीला सोल बाराजा दूसरे और कीनिया की अवुयोर साउलिन्हा तीसरे स्थान पर रही । सीनियर पुरूष बी वर्ग में भारत के रोशन थापा अव्वल रहे जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद मामून खान बाबू दूसरे और किर्गीस्तान के दानिल रिकोव तीसरे स्थान पर रहे । ज्योति देउरकर ने 'ट्विस्टिंग बॉडी' व्यक्तिगत सीनियर बी महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता । उन्होंने ओमान की ओलिमुथु नवामनी और जापान की साओरी कुयेइ को पछाड़ा । भारत ने इस चैम्पियनशिप में 122 सदस्यीय दल उतारा है।

मिजोरम में 350 ग्राम से अधिक हेरोइन बरामद, आठ महिलाएं गिरफ्तार

आइजोल/भाषा। पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले में अलग–अलग अभियानों के दौरान 352 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया तथा इस सिलसिले में आठ महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चम्फाई के बाहरी इलाके में स्थित खानकावन चेक गेट पर बुधवार को वाहनों की नियमित जांच के दौरान अधिकांश मादक पदार्थ जब्त किए गए। यह आइजोल की ओर जाने वाला एक प्रमुख पारगमन मार्ग है। पुलिस ने बताया कि सबसे बड़ी बरामदगी आइजोल के बेथलेहम वेंगछाक से हुई, जहां 19 वर्षीय लड़की गिरफ्तार कर उसके पास से 180 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया।

सुविचार

वक्त सबको मिलता है जिंदगी बदलने के लिए, पर जिंदगी दोबारा नहीं मिलती वक्त बदलने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बच्चे कहां कहें अपने मन की बात?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्कूलों के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण नीति के मसौदे पर समीक्षा बैठक के बाद जो जानकारी साझा की, उससे पता चलता है कि केंद्र सरकार विद्यार्थियों के बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है। यह एक ऐसा विषय है, जिस पर हमारे देश में खुलकर बात नहीं की गई। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत जरूरी है। बच्चे स्कूली दिनों में कई मानसिक समस्याओं का सामना करते हैं, लेकिन उनके आस-पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जहां वे अपनी बात कह सकें। कई बच्चों को स्कूल का माहौल अच्छा नहीं लगता। उन्हें शिक्षकों से शिकायत रहती है, लेकिन उनके बारे में बोलने से डरते हैं। यह डर बाद में किसी मानसिक समस्या का रूप ले सकता है, जो उस व्यक्ति को जीवनभर परेशान करता है। एक युवती, जो आज खुद शिक्षिका हैं, अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए भावुक हो जाती हैं। जब वे एक मशहूर स्कूल की छात्रा थीं तो वहां एक शिक्षिका उनकी पिटाई करने के बहाने ढूंढ़ती रहती थीं। शिक्षिका उन्हें पूरी कक्षा के सामने अपमानित करती थीं और इस बात का पूरा ध्यान रखती थीं कि छात्रा का आत्मविश्वास तोड़ा जाए। वह युवती जो अपनी कक्षा की सबसे शांत छात्राओं में से एक थीं, उनकी शिक्षिका उन पर शरारत करने, पढ़ाई के दौरान बात करने, इधर-उधर देखने, ध्यान कहीं और होने का आरोप लगाकर दंडित करती थीं। वर्षों बाद जब किसी कार्यक्रम में दोनों की मुलाकात हुई तो वह युवती चाह कर भी उन्हें प्रणाम नहीं कर पाईं, क्योंकि मन में इतनी कड़वाहट भरी थी, जिसे अब तक नहीं भुला पाई हैं। पुरानी बातें जिस दिन उन्हें याद आ जाती हैं, उनका पूरा दिन खराब हो जाता है। वे आज तक नहीं समझ पाईं कि वह शिक्षिका उन्हें बेवजह क्यों पीटती थी? अगर उस समय स्कूल में कोई ऐसी व्यवस्था होती, जहां जाकर वे अपने मन की बात कहतीं और वहां से उचित परामर्श पातीं तो आज उनका मानसिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा होता।

हर बच्चे की मानसिक स्थिति एक जैसी नहीं होती है। कुछ बच्चे बड़े भावुक और संवेदनशील होते हैं। वे कठोर बात बर्दाश्त नहीं कर पाते। पिछले साल राजस्थान के एक बड़े स्कूल का मामला बहुत चर्चा में रहा था। उसकी चौथी कक्षा की एक छात्रा ने छत से कूदकर जान दे दी थी। माता-पिता ने आरोप लगाए थे कि बच्ची को कई दिनों से परेशान किया जा रहा था। उसने शिक्षिका से मदद भी मांगी थी, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। बाद में, जब मीडिया ने उस मामले को प्रमुखता से उठाया तो स्कूल की मान्यता रद्द हुई, कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। अगर समय रहते इस ओर ध्यान दिया जाता तो वह घटना नहीं होती। मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करना भविष्य में घातक सिद्ध हो सकता है। राजस्थान में एक प्रतिभाशाली छात्र को दुर्भाग्य से ऐसा माहौल मिला, जिसकी उसने कभी कल्पना नहीं की थी। उसके संयुक्त परिवार के कुछ सदस्य उसकी पढ़ाई-लिखाई के सख्त खिलाफ थे। जब वह स्कूल जाने के लिए घर से निकलता तो वे उसे कोई काम करने के लिए कह देते थे। जब वह यह कहते हुए इन्कार करता कि मुझे स्कूल जाने में देर हो रही है, तो वे उसे खरी-खोटी सुनाते थे। जब वह कक्षा में प्रथम आता तो वे उसका हौसला बढ़ाने के बजाय कहते- 'क्या फायदा है पढ़ाई-लिखाई का, जब तुम्हें भी एक दिन यहीं बेरोजगारों के साथ भटकना है?' एक दिन तो हद ही हो गई। परिवार में किसी वृद्ध व्यक्ति का निधन हो गया था। इस घटना के हफ्तेभर बाद उस लड़के की वार्षिक परीक्षा थी। जब वह परीक्षा के लिए निकला तो परिवार के एक बुजुर्ग सदस्य ने यह कहते हुए उसका रास्ता रोक लिया कि 'घर पर रहो, यहां काफी काम है ... परीक्षा तो हर साल आती है!' ये कड़वे अनुभव बाद में उसके लिए कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों की वजह बने। बचपन खुशहाल होना चाहिए। उसके साथ ऐसी यादें जुड़ी हों, जो चेहरे पर हमेशा मुस्कान लाएं। जो बातें बच्चों के कोमल मन पर आघात करें, उन्हें परामर्श और सूझबूझ से दूर करना चाहिए। इसके लिए हर स्कूल में उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान के तहत आज बूढ़ा पुष्कर में विधिवत पूजा-पाठ और अनुष्ठान करके राज्य के सभी निवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। मैंने स्थानीय निवासियों के साथ जल संरक्षण और जल संवर्धन के संकल्प को दोहराया।

-दिया कुमारी

आइए देखें कि भारत की संसद एनवायरनमेंट की सुरक्षा, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्रीन फ्यूचर के लिए अपने कमिटमेंट को कैसे पूरा कर रही है। इको-फ्रेंडली पार्लियामेंट्री बिल्डिंग्स जैसी पहलें नेचर और प्रोग्रेस के बैलेंस्ड मेल का एक इंस्पायरिंग उदाहरण पेश करती हैं।

-ओम बिरला

बीजीएस मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और बेंगलुरु में आयुर्वेदिक कॉलेज का उद्घाटन किया ये संस्थान सस्ती, आसान और होलिस्टिक हेल्थकेयर को मजबूत करने और मेडिकल प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

छोटी चूक बड़ा खमियाजा

राजा अनंतदेव से भोजन करते समय थोड़ा-सा शहद टपककर ज़मीन पर गिर पड़ा। उनके मन में विचार आया कि नौकर आएगा और स्वयं साफ कर लेगा। नौकर आया तो ध्यान न जाने के कारण वह भी बिना साफ किए ही चला गया। शहद को चाटने मक्खियां आ गईं। मक्खियों को देख छिपकली ललचाई और उन्हें खाने के लिए आ पहुंची। छिपकली को मारने बिल्ली पहुंची, जो कि राजमहल में ही रहती थी। उस दिन न जाने कैसे पर राजमहल के बाहर बगीचे में घूम रहे कुत्ते वहां आ पहुंचे और बिल्ली पर टूट पड़े। बिल्ली तो किसी तरह भाग गई पर कुत्ते आपस में लड़कर घायल हो गए। कुत्तों के मालिकों को जब यह बात पता चली तो वे सब भी वहां आ पहुंचे। कुत्तों के मालिक अपने-अपने कुत्तों के पक्ष का समर्थन करने लगे और दूसरे का दोष बताने लगे। इस पर लड़ाई ठन गई। दंगइयों को मौका मिला तो सरकारी संपत्ति को लूटा और राजमहल में आग लगा दी। इतने बड़े उपद्रव का जब राजा ने कारण पूछा तो मंत्री ने जांचकर बताया कि आपके द्वारा गिराए गए शहद को साफ न करना ही इतने बड़े बवाल का कारण बना। अपनी ही असावधानी से बिगड़े किसी काम को सुधारने का मौका गंवाना नहीं चाहिए अन्यथा वह किसी भयावह घटना को जन्म दे सकता है।

सामयिक

बदलते परिवेश में भी भारत और रूस की मित्रता रहेगी कायम

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

पुतिन का भारत को लेकर यह बयान महज एक सामान्य राजनीतिक वक्तव्य नहीं है, बल्कि यह एक तेजी से उभरती हुई विश्व शक्ति के रूप में भारत के प्रति गहरे सम्मान का सीधा प्रकटीकरण है। पश्चिमी देशों को यह बहुत ही स्पष्ट संदेश है कि दुनिया अब उनके इशारों या उनकी नीतियों पर नहीं चलती। भारत अपने सभी निर्णयों में पूर्णतः स्वतंत्र है और वह अपने रणनीतिक मित्रों का चुनाव केवल अपनी शर्तों और अपने लाभ के आधार पर करता है।

वैश्विक कूटनीति के निरंतर बदलते स्वरूप के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत के संदर्भ में दिया गया हालिया बयान दोनों देशों के बीच की प्रगाढ़ और ऐतिहासिक मित्रता को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है। पुतिन ने अत्यंत स्पष्ट शब्दों में भारत को रूस का एक बेहद भरोसेमंद साझेदार करार दिया है। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक मंच पर एक बहुत बड़ा संदेश देते हुए यह भी साफ कर दिया है कि भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती रणनीतिक और कूटनीतिक नजदीकियों का असर मॉस्को और नई दिल्ली के गहरे संबंधों पर बिल्कुल नहीं पड़ेगा। यह बयान इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक ध्रुव या गुट तक सीमित नहीं रखा है। आज के समय में जब पश्चिमी देश लगातार विकासशील देशों पर अपने एजेंडे थोपने का प्रयास कर रहे हैं, तब पुतिन का यह कहना कि भारत पर रूस के साथ सहयोग कम करने के लिए डाला जा रहा पश्चिमी दबाव पूरी तरह से व्यर्थ है, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की सबसे बड़ी वैश्विक स्वीकार्यता है। यह बयान केवल दो नेताओं या दो देशों की सरकारों के बीच का कूटनीतिक संवाद नहीं है, बल्कि यह एक बदलते हुए विश्व के शक्ति संतुलन का बहुत ही सजीव चित्रण है।

रूस और भारत के कूटनीतिक रिश्तों की बुनियाद कई दशकों के विश्वास और आपसी सहयोग पर टिकी है। वर्ष 1971 की शांति और मैत्री संधि से लेकर आज 2026 तक के सफर में दोनों देशों ने कई वैश्विक उतार चढ़ाव देखे हैं। जब भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को समर्थन की आवश्यकता पड़ी है, रूस ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल कर भारत का साथ दिया है। कश्मीर का मुद्दा हो या फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई, रूस हमेशा एक सच्चे मित्र की भांति भारत के साथ खड़ा रहा है। यही कारण है कि आज की सदी में भी यह रिश्ता मात्र कूटनीतिक समझौतों का मोहताज नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों की जनता के बीच पनपे एक अटूट भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। पुतिन की बातों में इसी ऐतिहासिक विश्वास की झलक मिलती है। उन्हें इस बात का भलीभांति भान है कि भारत किसी भी बाहरी देश के दबाव में आकर अपने पुराने और सच्चे मित्र के साथ संबंधों में कोई भी कटौती नहीं करेगा। भारत की जनता और भारत के नीति निर्माता दोनों ही इस बात को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं कि संकट के समय में किसने उनका साथ दिया था। फरवरी 2022 में शुरू हुए यूक्रेन संकट के बाद से ही पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर कई तरह के कड़े आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। इन पश्चिमी देशों ने भारत पर भी यह भारी दबाव बनाया कि वह रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध सीमित करे और वहां से कच्चे तेल की खरीद को रोक दे। लेकिन भारत ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि उसकी नीतियां उसके अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार तय होती हैं, न कि पश्चिमी देशों के फरमानों से। भारत ने न केवल रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी, बल्कि अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उसे कई गुना बढ़ा भी दिया। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले कुछ वर्षों में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार ने 60 अरब डॉलर के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है, जो कि दोनों देशों द्वारा तय किए गए 2025 के लक्ष्य से बहुत पहले ही हासिल कर लिया गया। आज रूस, भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन चुका है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रूस से आयात कर रहा है। यह आंकड़ा इस बात को साबित करता है कि पश्चिमी देशों की धमकियां भारत के इरादों को डिगा नहीं पाईं और भारत ने अपने नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखा।

आर्थिक मोर्चे पर पुतिन द्वारा भारत के तीव्र विकास की जो विशेष रूप से प्रशंसा की गई है, वह भी अत्यंत महत्वपूर्ण और ध्यान देने योग्य है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसकी विकास दर लगातार 7 प्रतिशत के आस पास बनी हुई है। देश में हो रहे भारी बुनियादी ढांचे के निर्माण और तकनीकी विकास ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। रूस यह भलीभांति समझता है कि भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका एक प्रमुख विकास इंजन की तरह होने वाली है। ऐसे में रूस के लिए भारत सिर्फ एक पारंपरिक हथियार खरीदार नहीं रह गया है, बल्कि ऊर्जा, कृषि, अंतरिक्ष और विनिर्माण क्षेत्र में एक विशाल बाजार और सहयोगी बन गया है।

दोनों देश अपनी मुद्राओं यानी रुपये और रूबल में व्यापार करने की दिशा में भी लगातार काम कर रहे हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में पश्चिमी मुद्राओं के एकाधिकार को चुनौती दी जा सके और दोनों देशों के व्यापारियों को विदेशी मुद्रा के उतार चढ़ाव से बचाया जा सके। रक्षा क्षेत्र की बात करें तो भारत और रूस का सहयोग केवल आयात और निर्यात के पुराने मॉडल तक सीमित नहीं है। आज यह दोनों देश ब्रह्मोस मिसाइल जैसे अत्याधुनिक हथियारों का संयुक्त रूप से निर्माण कर रहे हैं जो कि पूरी दुनिया में अपनी तरह की सबसे बेहतरीन मिसाइल मानी जाती है। इसके अलावा एस 400 वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति भी दोनों देशों के बीच हुए एक ऐतिहासिक सौदे का हिस्सा है, जिसे पूरा करने के लिए भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित खतरे की भी बिल्कुल परवाह नहीं की। भारत में मेक इन इंडिया पहल के तहत कलाश्निकोव राइफल से लेकर अन्य कई रूसी रक्षा उपकरणों के निर्माण को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भारत की अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। पुतिन का यह अटूट भरोसा इन्हीं ठोस धरातल पर टिके वास्तविक प्रोजेक्ट्स के कारण और भी मजबूत होता है।

जहां तक अमेरिका और भारत के बढ़ते संबंधों का प्रश्न है, पुतिन की बेबाक टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की परिपक्वता को दर्शाती है। आज भारत क्वाड जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठनों का सक्रिय सदस्य है जिसमें अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। पश्चिमी कूटनीतिक विश्लेषकों का अक्सर यह मानना रहा है कि भारत की अमेरिका से यह बढ़ती नजदीकी रूस को खटकती है और इससे दोनों के रिश्ते खराब हो सकते हैं। परंतु रूसी राष्ट्रपति ने अपने इस स्पष्ट बयान से इस सारे भ्रम को पूरी तरह से तोड़ दिया है। रूस यह गहराई से जानता है कि भारत हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने सामरिक हितों की रक्षा और चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए अमेरिका के साथ खड़ा है, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि भारत रूस के खिलाफ किसी भी पश्चिमी एजेंडे का हिस्सा बन जाएगा। इसके विपरीत भारत शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण मंचों पर भी रूस के साथ मजबूती से कदमताल कर रहा है। वर्ष 2024 में ब्रिक्स का जो ऐतिहासिक विस्तार हुआ उसके बाद आज 2026 में यह संगठन एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा और मजबूत पैरोकार बन चुका है, जिसमें भारत और रूस की धुरी सबसे अहम भूमिका निभा रही है।

निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि पुतिन का भारत को लेकर यह बयान महज एक सामान्य राजनीतिक वक्तव्य नहीं है, बल्कि यह एक तेजी से उभरती हुई विश्व शक्ति के रूप में भारत के प्रति गहरे सम्मान का सीधा प्रकटीकरण है। पश्चिमी देशों को यह बहुत ही स्पष्ट संदेश है कि दुनिया अब उनके इशारों या उनकी नीतियों पर नहीं चलती। भारत अपने सभी निर्णयों में पूर्णतः स्वतंत्र है और वह अपने रणनीतिक मित्रों का चुनाव केवल अपनी शर्तों और अपने लाभ के आधार पर करता है। रूस और भारत की यह प्रगाढ़ साझेदारी आने वाले समय में न केवल एशिया बल्कि संपूर्ण वैश्विक शक्ति संतुलन को बनाए रखने में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह दोनों देश मिलकर जिस न्यायपूर्ण और बहुध्रुवीय दुनिया का निर्माण करना चाहते हैं, उसमें आपसी सम्मान, संप्रभुता का आदर और एक दूसरे के विकास में बिना शर्त योगदान ही सबसे प्रमुख स्तंभ होंगे। व्लादिमीर पुतिन के शब्दों ने दोनों देशों के बीच की इसी अत्यंत मजबूत नींव को एक बार फिर से दुनिया के सामने पूरी दृढ़ता और विश्वास के साथ रख दिया है, जिससे भविष्य में दोनों देशों के संबंध और भी अधिक ऊंचाइयों को छुएंगे।

नजरिया

प्रकृति के साथ अब समझौते का नहीं, संकल्प का समय

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रकृति का मिजाज वर्ष दर वर्ष बदल रहा है और इसी के साथ प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भी बढ़ा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैसे तो दुनियाभर में बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं। 2015 में पेरिस सम्मेलन में 197 देशों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए अपने-अपने देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और 2030 तक वैश्विक तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने का संकल्प लिया था किन्तु धरती का तापमान जिस प्रकार वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है, ऐसे में इस वास्तविकता को नहीं नकारा जा सकता कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मौसम के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट में वैज्ञानिकों द्वारा चेतावनी देते हुए कहा जा चुका है कि दुनिया पर वैश्विक तापमान में खतरनाक वृद्धि का संकट मंडरा रहा है और यह वृद्धि 2015 में पेरिस समझौते में संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित डेढ़ डिग्री सेल्सियस का भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

जहां तक पर्यावरण प्रदूषण की बात है, विश्वभर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण प्रतिवर्ष तरह-तरह की बीमारियों के कारण लोगों की मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, यहां तक कि बहुत से नवजात शिशुओं पर भी प्रदूषण के गंभीर दुष्प्रभाव अब स्पष्ट देखे जाने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रतिवर्ष विश्वभर में प्रदूषित हवा के कारण करीब सत्तर लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2026 का विषय प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।' संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। 19 नवम्बर 1986 को भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया। हालांकि विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने का वास्तविक लाभ तभी है, जब हम इस आयोजन को केवल रस्म अदायगी तक ही सीमित न रखें बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए इस अवसर पर लिए जाने वाले संकल्पों को पूरा करने हेतु हरसंभव प्रयास भी करें। दरअसल धरती का तापमान वर्ष दर वर्ष जिस प्रकार बढ़ रहा है, उसे देखते हुए वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान बढ़ने से हीटवेव, अत्यधिक वर्षा, पानी की कमी जैसी समस्याएं पूरी दुनिया में विकराल रूप ले सकती हैं।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का दुष्प्रभाव अब समय-समय पर भयानक चक्रवाती तूफानों के रूप में भी देखा जाने लगा है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि जलवायु संकट के साथ अरब सागर में तीव्र चक्रवाती विक्षोभ का सिलसिला चलता रहेगा। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब जलवायु में हो रहे बदलावों का ही बड़ा असर है। फिलहाल न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता का विषय बना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अब अरब सागर अधिकाधिक अशांत होता जा रहा है और अरब सागर में चक्रवात अपेक्षाकृत असामान्य हैं। आईएमडी सहित जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी की तुलना में अरब सागर में चक्रवातों की तीव्रता में ज्यादा वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार 1890 के दशक के बाद 2011 से 2022 के बीच अरब सागर में चक्रवातीय घटनाएं ज्यादा हुई हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है और ऐसी घटनाओं की तीव्रता बढ़ रही हैं, जिनमें अरबों-खरबों रुपये का नुकसान होता है, अनेक लोग मारे जाते हैं और ऐसी आपदाओं में लाखों लोग देखते ही देखते बेघर हो जाते हैं।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि पृथ्वी का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं और संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि किस प्रकार पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा और अगले तीन दशकों में पृथ्वी के तापमान में वृद्धि पांच डिग्री तक दर्ज की जाती है तो इससे एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा और एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

जहां तक पर्यावरण प्रदूषण की बात है, विश्वभर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण प्रतिवर्ष तरह-तरह की बीमारियों के कारण लोगों की मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, यहां तक कि बहुत से नवजात शिशुओं पर भी प्रदूषण के गंभीर दुष्प्रभाव अब स्पष्ट देखे जाने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रतिवर्ष विश्वभर में प्रदूषित हवा के कारण करीब सत्तर लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। अनेक दुर्लभ प्राकृतिक सम्पदाओं से भरपूर हमारी पृथ्वी प्रदूषित वातावरण के कारण ही अपना प्राकृतिक रूप खोती जा रही है। बहरहाल, प्रतिवर्ष सामने आ रही भयंकर आपदाओं को झेलने के बाद कम से कम अब तो पूरी दुनिया को समझ लेना चाहिए कि यदि मानवीय क्रियाकलापों के कारण धरती का तापमान इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में समस्त मानव जाति को इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर यदि हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर वाकई चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें।

अब यह हमें ही तय करना है कि पृथ्वी जिस प्रकार अकाल मृत्यु की ओर बढ़ रही है, ऐसे में हम किस युग में जीना चाहते हैं? एक ऐसे युग में, जहां सांस लेने के लिए प्रदूषित वायु होगी और पीने के लिए प्रदूषित और रसायनयुक्त पानी तथा ढ़ेर सारी खतरनाक बीमारियों की सौगात या फिर एक ऐसे युग में, जहां हम स्वच्छंद रूप से शुद्ध हवा और शुद्ध पानी का आनंद लेकर एक स्वस्थ एवं सुखी जीवन का आनंद ले सकें। यदि हम वास्तव में पृथ्वी को खुशहाल देखना चाहते हैं और चाहते हैं कि हम धरती मां के कर्ज को थोड़ा भी उतार सकें तो यह केवल तभी संभव है, जब वह पेड़-पौधों से आच्छादित, जैव विविधता से भरपूर तथा प्रदूषण से सर्वथा मुक्त हो और हम चाहें तो सामूहिक रूप से यह सब करना इतना मुश्किल भी नहीं है। बढ़ते पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर हमें हमारे स्वास्थ्य, परिवारों और आजीविका की रक्षा करने के लिए एकजुट होकर गंभीर प्रयास करने होंगे क्योंकि हरा-भरा भविष्य ही एक समृद्ध भविष्य है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगों के प्रलोभन वाले ऐप और लिंक से बचें, सतर्कता ही एकमात्र बचाव : साइबर एक्सपर्ट कर्मेन्द्र कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्तमान डिजिटल युग में इंटरनेट के प्रसार के साथ कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट और मोबाइल का उपयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों के ग्राफ में भी अप्रत्याशित उछाल आया है। आज जागरूकता के अभाव में प्रतिदिन हजारों लोग करोड़ों रुपए की साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। इस गंभीर मुद्दे पर केंद्र व राज्य सरकारों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के साइबर सलाहकार तथा 'सिक्योरआईज़' के सीईओ व निदेशक कर्मेन्द्र कोहली ने आमजन को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने दो टूक कहा, दुनिया में ऐसी कोई संस्था या व्यक्ति नहीं है जो किसी को मुफ्त में लाखों-करोड़ों रुपए दे। इसलिए ललचाने वाले ऑफर, अनचाहे एसएमएस, लिंक और कॉल से दूरी बनाना ही ठगी से बचने का सबसे बेहतर तरीका है।

कर्मेन्द्र कोहली ने इस बात पर जोर दिया कि साइबर क्राइम से निपटने के लिए सबसे पहली जरूरत 'जागरूकता' की है। आम जनता से सीधे तौर पर जुड़े सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थाओं और बैंकों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने स्तर पर जागरूका अभियान चलाएं, ताकि सीधे-साधे लोग ठगों के जाल में न फंसें। कोहली ने तकनीकी सुरक्षा पर बात करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को अपने लैपटॉप और कंप्यूटर जैसे डिवाइस में उच्च स्तर की सिक्योरिटी रखनी चाहिए और हमेशा अच्छे एंटी-वायरस का उपयोग करना चाहिए।

इसके अलावा, जैसे ही स्क्रीन पर कोई प्रलोभन देने वाला ऐप या ऑफर दिखे, तुरंत सतर्क हो जाएं और उस पर संदेह करें। बता दें कि पिछले 16 वर्षों से साइबर सुरक्षा सेवा प्रदाता कंपनी 'सिक्योरआईज़' केंद्र व राज्य सरकारों के साथ-साथ वित्त, बैंक, रक्षा और बीमा जैसे देश के बेहद संवेदनशील (क्रिटिकल) सेक्टर्स को साइबर सुरक्षा प्रदान कर रही है। कोहली ने बताया कि इंटरनेट पर चलने वाले ई-कॉमर्स और बिजनेस एप्लीकेशन्स की सुरक्षा की जांच बैक-एंड पर लगातार की जाती है। उन्होंने एक दिलचस्प पहलू साझा करते हुए कहा, आईटी सेक्टर जहां नए ऐप्स और सॉफ्टवेयर बनाता है, वहीं साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स उन ऐप्स को 'तोड़ने' (हैक करने) की कोशिश करते हैं। इसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उन कमियों को ढूंढना होता है, ताकि उन एप्लीकेशन्स को भविष्य के लिए और अधिक सुरक्षित व अभेद्य बनाया जा सके।

सेल्फी4

मैदानगढ़ी पॉकेट-1 में 'नमो ऑक्सीजन पार्क' के उद्घाटन और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण के दौरान छात्रों के साथ सेल्फी लेतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब कोई काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि इस दशक में लिए गए विकल्प प्रौद्योगिकी, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को आकार देंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक।

लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछली तकनीकी क्रांतियों के विपरीत, एआई केवल मानवीय क्षमता को नहीं बढ़ाती है; यह तेजी से उन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेती है जिन्हें ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट रूप से मानवीय माना जाता था। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक। इसका प्रभाव उन कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचों पर निर्भर करता है जिनके अंतर्गत समाज इसका उपयोग करना चुनते हैं। इसलिये कानून का दायित्व न तो तकनीकी प्रगति का विरोध करना है और न ही उसके समक्ष बिना किसी प्रश्न के आत्मसमर्पण करना। उसका दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब एक क्रियात्मक वास्तविकता है जो शासन, वाणिज्य, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और तेजी से न्यायिक और संप्रभु शक्ति के प्रयोग को ही नया आकार दे रही है। उन्होंने कहा, सरकारें अब कल्याणकारी लाभों के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमाओं की निगरानी, वित्तीय प्रणालियों के विनियमन और पुलिसिंग कार्यों में सहायता के लिए एल्गोरिदम प्रणालियों का उपयोग करती हैं। सेनाएं तेजी से स्वायत्त क्षमताओं का विकास कर रही हैं। विभिन्न न्याय क्षेत्रों की अदालतें कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न साक्ष्य, स्वचालित निर्णय लेने और डिजिटल उचित प्रक्रिया से संबंधित प्रश्नों का सामना करना शुरू कर रही हैं। निजी निगमों के पास ऐसी तकनीकी क्षमताएं हैं जो संप्रभु राज्यों की सूचनात्मक पहुंच के बराबर हैं और कुछ मामलों में उससे भी अधिक हैं। उन्होंने कहा, हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमान मशीनों के युग में भी, मानवता अपने शासन के सिद्धांतों की रचना का अधिकार बरकरार रखे। यदि अंतरराष्ट्रीय कानून इस चुनौती का सामना करने में सक्षम हो जाता है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सभ्यता की नींव रखने वाले मूल्यों को पुनः स्थापित करने का अवसर बन सकती है। छह दिवसीय ब्रिटेन यात्रा पर गए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता न्याय प्रशासन को मजबूत करने के अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करती है और विभिन्न न्यायक्षेत्रों में, अदालतें कानूनी अनुसंधान, मामलों के प्रबंधन, अनुवाद सेवाओं, कार्यवाही के प्रतिलेखन, दस्तावेज वर्गीकरण और न्यायिक मिसालों की पहचान में सहायता के लिए एआई-संचालित उपकरणों का तेजी से लाभ उठा रही हैं।

अमेरिका में 96 यूनिकॉर्न की स्थापना के पीछे भारतीय मूल के उद्यमियों का योगदान : रिपोर्ट

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) की स्थापना करने वाले प्रवासी उद्यमियों में भारतीय मूल के लोगों की संख्या सबसे अधिक है। एक अध्ययन में यह बात कही गई है।

अमेरिका के गैर-लाभकारी संगठन नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी (एनएफएपी) के अध्ययन में कहा गया है कि भारतीय मूल के उद्यमियों ने या तो 96 अमेरिकी यूनिकॉर्न की स्थापना की है या उनमें सह-संस्थापक रहे हैं। इनमें कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सर्च इंजन परप्लेक्सिटी भी शामिल है, जिसकी सह-स्थापना अरविंद श्रीनिवास ने की है और जिसका मूल्यांकन 20 अरब अमेरिकी डॉलर है तथा यह सूची में 12वें स्थान पर है।

अध्ययन के अनुसार, अमेरिका के यूनिकॉर्न स्टार्टअप के प्रवासी संस्थापकों के मूल देशों की सूची में भारत 96 कंपनियों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद इजराइल (60), ब्रिटेन (47), चीन (41), कनाडा (30), रूस (23), फ्रांस (21), जर्मनी (18), यूक्रेन (16), ऑस्ट्रेलिया (14), पाकिस्तान (10) और रोमानिया (10) का स्थान है।

इमिग्रेंट्स एंड यूएस बिलियन-डॉलर कंपनीज शीर्षक वाले इस अध्ययन के लेखक स्टुअर्ट एंडरसन के अनुसार, अमेरिका के निजी क्षेत्र में यूनिकॉर्न स्टार्टअप कंपनियों में 59 प्रतिशत (775 में से 455) की स्थापना या सह-स्थापना प्रवासी उद्यमियों ने की है।

रिपोर्ट में कहा गया कि प्रवासी संस्थापकों वाली इन कंपनियों ने औसतन प्रति कंपनी 833 रोजगार सृजित किए हैं।

भारत के साथ सैन्य संघर्ष में हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान ट्रंप का 'सदा आभारी' रहेगा : शहबाज

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि भारत के साथ सैन्य संघर्ष को खत्म कराने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समय पर हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान सदा आभारी रहेगा। अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अमेरिकी दूतावास द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में शहबाज ने पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों को लगभग आठ दशकों से जारी सच्चा और खास रिश्ता बताया।

पिछले साल जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रंप के हस्तक्षेप ने शत्रुता समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दावा किया, पिछले साल पहलगाम घटना को लेकर भारत की अकारण आक्रामकता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने समय रहते और निर्णायक हस्तक्षेप किया जिसके कारण पिछले साल 10 मई को पाकिस्तान और भारत के बीच सैन्य संघर्ष थमा।

शहबाज ने कहा, दक्षिण एशिया में शांति बहाल करने और लाखों लोगों की जान बचाने के लिए हम राष्ट्रपति ट्रंप के सदा आभारी रहेंगे।

'पेड्डी' की रिलीज पर तिरुपति बालाजी के दर पहुंचीं जाह्नवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की बहु प्रतीक्षित दक्षिण भारतीय फिल्म 'पेड्डी' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इस खास अवसर पर अभिनेत्री आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर (श्रीवारी मंदिर) में दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर ने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान के सामने माथा टेककर फिल्म की सफलता की कामना की। मंदिर परिसर में वह पारंपरिक अंदाज में नजर आईं। खास बात है कि अभिनेत्री मंदिर तक नंगे पैर पहुंचीं। दर्शन के बाद जब वह मंदिर से निकलीं तो उन्होंने प्रवेश द्वार पर रुककर सिर झुकाया और श्रद्धा स्वरूप अपना माथा टेककर भगवान को प्रणाम किया। इस दौरान जाह्नवी पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आईं। उन्होंने गहरे बैंगनी रंग की सिल्क साड़ी पहनी थी, जिस पर खूबसूरत फूलों की डिजाइन बनी हुई थी। अपने लुक को उन्होंने सोने का कमरबंद, चोकर नेकलेस, झुमकों और पारंपरिक चूड़ियों के साथ पूरा किया।

जान्हवी कपूर अक्सर तिरुपति बालाजी के दर्शन को मंदिर आती रहती हैं। वह लगभग हर साल अपने जन्मदिन के मौके पर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने तिरुमाला पहुंचती हैं। इतना ही नहीं, वह अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के जन्मदिन पर भी मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करती हैं।उनकी फिल्म 'पेड्डी' की बात करें तो यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ दक्षिण भारतीय सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवा की है जो खेलों के माध्यम से अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है। क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने वाला यह किरदार कई चुनौतियों, प्रतिद्वंद्विता और सामाजिक दबावों का सामना करता है। राम चरण इस फिल्म में एक बहुमुखी खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं।

डांस के महारथी एक साथ! मुंबई में 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5' के सेट पर पोज़ देते मशहूर कोरियोग्राफर व डायरेक्टर रेमो डिसूजा और कोरियोग्राफर गीता कपूर।

आवेदन

नादिया के कृष्णानगर नगर पालिका कार्यालय में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़। अन्नपूर्णा योजना के तहत फंड जारी होने के बाद आवेदन फॉर्म लेने के लिए कतारों में खड़ीं महिलाएं।

आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय पहले सोचें : नुसरत भरूचा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, आईपीएल फाइनल से जुड़ी वीडियो में कुछ आवाजें सुनाई दे रही थी, जिसे लेकर लोगों ने अलग-अलग दावे करने शुरू कर दिए। अब इस पूरे विवाद पर खुद नुसरत भरूचा ने सफाई दी है और बताया है कि आखिर उस वीडियो में सुनाई देने वाली आवाजें किसकी थीं। नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में कई तस्वीरें और स्क्रीनशॉट पोस्ट किए। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखा, ''कुछ लोगों ने इस मामले को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया है। एक छोटे से पपी के रोने की आवाज को लेकर इतना बड़ा विवाद खड़ा कर दिया गया। किसी ने मेरी ओर से झूठी सफाई भी जारी कर दी,

जबकि वह बयान मैंने कभी दिया ही नहीं था।''

अपने पोस्ट में नुसरत ने बताया, ''जिस दिन यह वीडियो रिकॉर्ड की गई थी, उस दिन मैं अपने दोस्तों के घर पर आईपीएल का फाइनल मैच देख रही थीं। उसी दौरान दोस्तों का एक पालतू पपी रोने जैसी आवाजें निकाल रहा था। वही आवाजें वीडियो में रिकॉर्ड हो गई थीं। मेरे एक दोस्त ने उसी समय दूसरे एंगल से एक और वीडियो बनाया था, जिसमें वही आवाजें साफ-साफ सुनाई दे रही हैं।''

इसके बाद अभिनेत्री ने एक और वीडियो साझा किया, जिसमें वह घर और पपी भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया, ''यह वीडियो उसी रात कुछ देर बाद रिकॉर्ड किया गया था। पहले ही मुझे सलाह दी गई थी कि मैं अपनी पुरानी वीडियो हटा दूं, क्योंकि कुछ लोग उसका गलत मतलब निकाल सकते हैं। इसी डर की वजह से मैंने वीडियो हटा भी दी थी, लेकिन बाद में वही हुआ, जिसकी आशंका थी। लोगों ने बिना सच्चाई जाने तरह-तरह की बातें बनानी शुरू कर दीं।''

अभिनेत्री ने लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन होने का मतलब यह नहीं है कि किसी को परेशान किया जाए या उसके बारे में गलत बातें फैलाई जाएं। किसी भी बात पर आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय पहले सोचें, समझें और फिर जिम्मेदारी के साथ प्रतिक्रिया दें।

झूठे आरोपों पर ट्रोल हुईं शिल्पा शिंदे, वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मैं खुद को सही साबित करने नहीं आई'

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान कबूल की थी कि 2016 में भाबीजी घर पर है के प्रोड्यूसर पर उन्होंने यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। गुरुवार को अभिनेत्री ने अपने बचाव पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर की, जिसमें वह कहती हैं कि उन्हें पता है कि उन्होंने जो किया है वह सही है और नकारात्मक टिप्पणियों से उन्हें बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने पॉडकास्ट के सिर्फ एक क्लिप के आधार पर, पूरे संदर्भ को समझे बिना ही मेरे बारे में राय बना ली। मैं आमतौर पर टिप्पणियां पढ़ती हूं क्योंकि मुझे पता है कि मेरे फैंस मुझे क्या लिखते हैं। अगर आप भाती और हर्ष का पॉडकास्ट देखेंगे, तो आपको वहां भी टिप्पणियां देखने को मिलेगी। इस पीआर कैंपेन और आ रही टिप्पणियों के बाद, मैं उन लोगों से कहना चाहती हूं कि आप जैसा बोते हैं, वैसा ही काटते हैं। अभिनेत्री ने स्पष्ट करते हुए बताया कि कुछ लोग हालात को समझे बिना तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है क्योंकि दुनिया कभी भी किसी अच्छी चीज की सराहना नहीं करती। आप जैसे लोग, जो आज कमेंट कर रहे हैं, उन्हें लगता है कि मुझे यह कहने की जरूरत नहीं थी। मैं यह बात दस साल पहले भी कह सकती थी, जब मैं वह शो कर रही थी लेकिन मैंने इसे अब कहने का फैसला किया। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यहां पर खुद को साबित करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि अपनी अंतरात्मा के सामने सही होना चाहती थी क्योंकि वह बात एक झूठ थी। मुझसे किसी ने ऐसा करने के लिए नहीं बोला था लेकिन मैं उस झूठ के बोझ के साथ जी नहीं सकती थी। उस समय मैं किस मुश्किल दौर से गुजरी, यह कोई नहीं जानता। भगवान न करे कि ऐसी परिस्थिति का सामना आपको या आपके परिवार को करना पड़े।

शिल्पा शिंदे ने बताया कि यह सब उन्होंने पैसों के लिए नहीं किया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी, क्योंकि मैं जानती हूं कि उस समय मैंने कितनी बड़ी लड़ाई लड़ी थी। जिस व्यक्ति पर मैंने इल्ज़ाम लगाया था, वह जानता है कि असल में क्या हुआ था। मुझे अफसोस है। 'सॉरी' शब्द बहुत छोटा है लेकिन वह यह भी जानता है कि मैं उस समय किस हालात में थी। उस समय, मुझे लगा कि मेरे पास कोई और चारा नहीं है। मैं ऐसी मानसिक स्थिति में थी कि आत्महत्या करने के बारे में सोच रही थी।उन्होंने आगे कहा, उस समय कई लोगों ने मेरा मजाक बनाया और गाली भी दी, लेकिन जब आप जानते हैं कि आपने कुछ भी गलत नहीं किया है, तो आपको किसी भी चीज का डर नहीं लगता। उस समय किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया था, इसलिए अब भी मुझे किसी के साथ की उम्मीद नहीं है। मैं इन सभी चीजों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। लोग क्या सोचते हैं, मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है। जो प्रोड्यूसर कलाकारों को गालियां देते हैं, वे तो 10-15 साल तक लगातार काम करते रहते हैं, लेकिन हम जैसे कलाकारों से यह उम्मीद की जाती है कि हम चुप रहें।अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, पूरा पॉडकास्ट देखे बिना सिर्फ एक लाइन के आधार पर फैसला सुनाना, पेड पीआर का घटिया तरीका है। मुझे समझने के लिए मेरे शुभचिंतकों का धन्यवाद। बता दें कि अभिनेत्री शिल्पा शिंदे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में गई थीं। इस दौरान उन्होंने बताया था कि 'भाबीजी घर पर हैं!' के सेट पर उनके साथ हुए यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे थे। इस मामले पर बात करते हुए उन्होंने कहा, वह झूठ था, और साथ ही उन परिस्थितियों के बारे में भी बताया जिनके चलते उन्होंने ये आरोप लगाए थे।इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिनेत्री शिल्पा शिंदे को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स और संगठनों ने उनके कबूलनामे के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की और कुछ ने तो उनकी गिरफ्तारी की भी मांग की नेशनल काउंसिल फॉर मेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अभिनेत्री शिल्पा शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की झूठी शिकायत दर्ज करने के मामले में कार्रवाई करें।

आदर्श कॉलेज में पीयूसी प्रथम कक्षा सत्र का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित एसआरएन आदर्श कॉलेज सभागार में पीयू प्रथम वर्ष सत्र की शुरुआत हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में 'प्रयोगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ एजुकेशन रिसर्च' के संस्थापक डॉ एचएस नागराज उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदर्श कॉलेज के अध्यक्ष पदमराज मेहता ने की। कॉलेज के मंत्री जितेन्द्र मरड़िया, उपाध्यक्ष संजय धारीवाल, सहमंत्री महेश नाहर व पीयू प्राचार्य डॉ प्रशांत उपस्थित थे। ङ्गङ्गमुख्य अतिथि ने प्रबंधन टीम के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित कर पीयू कक्षाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने सभी नए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपनी मर्जी से विषय चुनने चाहिएं तथा उन्हें आधुनिक डिवाइस और टेक्नोलॉजी पर बहुत ज़्यादा निर्भर नहीं रहते हुए ज्ञान हासिल करना चाहिए। उन्होंने पिछली पीढ़ी और मौजूदा पीढ़ी के बीच का अंतर बताया। उन्होंने माता-पिता को यह सलाह भी दी कि वे अपने बच्चों पर कोर्स चुनने का दबाव न डालें और उन्हें खुद चुनने दें।

जितेन्द्र मरड़िया ने कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं और बोर्ड परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को दिए जाने वाले पुरस्कारों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कॉलेज जीवन के बाद अपने ज्ञान का लाभ समाज को दें। संजय धारीवाल ने कहा कि 16 से 18 साल की उम्र बहुत अहम होती है और विद्यार्थियों को शिक्षा का सही रास्ता चुनने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को विराट कोहली की तरह जोशीले बनकर जीत हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. एस. प्रशांत ने कॉलेज के शैक्षणिक स्टॉफ के बारे में जानकारी देते हुए शिक्षकों की योग्यता और उपलब्धियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र में टॉप करने वाले और डिस्टिंक्शन पाने वाले छात्रों को अतिथियों ने प्रमाणपत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया। कॉमर्स कोर्स की कोमल एम. को राज्य में 9वीं रैंक हासिल करने के लिए 10हजार रूपए का नकद इनाम दिया गया।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई भगवान जगन्नाथ की पांच दिवसीय कथा

माहेश्वरी भवन में गतिमान है जगन्नाथ कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर शुक्रवार से पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा का आयोजन शुरू हुआ जिसमें कथा वाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज ने कथा वाचन प्रारंभ किया। सर्वप्रथम भवन में शोभायात्रा निकाली गई जिसमें महिलाएं कलश धारण कर पोथी व कथा यात्रा में शामिल हुई। कथा स्थल पर पहुंच कर कलश की स्थापना की गई। महिला संगठन की अध्यक्षा विजयलक्ष्मी सारड़ा व कांता काबरा ने परिवार सहित विधिवत कथा पूजन किया। भगवान महेश के चित्र के समक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा के साथ सभा के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, युवा संघ के सचिव निखिल सोनी आदि ने दीप प्रज्वलित किया। महिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा ने सभी का स्वागत किया।ङ्ग ङ्गव्यासपीठ से प्रथम दिवस की कथा का श्रवण कराते हुए कथावाचक ने कहा कि भगवान कृष्ण जब द्वारका जा रहे थे तब ब्रजवासियों ने भगवान को रथ पर बिठाकर द्वारका के लिए विदा किया, उसी के प्रतिकात्मक रूप में भगवान जगन्नाथ को भी रथ पर बैठाकर उनकी रथयात्रा या रथ सवारी निकाली जाती है। उन्होंने कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ (श्री कृष्ण) के प्राकट्योत्सव की कथा राजा इंद्रद्युम्न की भक्ति और नीलमाधव की खोज से जुड़ी है। सतयुग में मालवा के राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान विष्णु के दर्शन हेतु एक ब्राह्मण (विद्यापति) को गुप्त रूप से नीलमाधव नामक दिव्य विग्रह की खोज में भेजा था। भगवान जगन्नाथ तो पूरे जगत के नाथ हैं।

इस कथा में माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया, कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुनीता लाहोटी, माहेश्वरी कॉपरेटिव बैंक के लक्ष्मीनारायण डागा आदि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मंत्री शोभा भूतड़ा ने मंच का संचालन किया। पल्लवी गिलड़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अणुव्रत समिति ने किया पौधारोपण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय अणुव्रत समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को टुमकुर जिले के हीरेहल्ली तालुक स्थित तेरापंथ गांधीनगर सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश बाबेल के फार्म हाउस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित टुमकुर जिले के वन विभाग के अधिकारी और किसान संघ के मंत्री श्रीनिवास ने नीम का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात आम, केला, चीकू, अनार, बादाम एवं सुपारी सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। प्रकाश बाबेल, ललित बाबेल, लाभेश कांसवा ने अपने विचार व्यक्त किए।ङ्गइस मौके पर समिति द्वारा दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक एसी का उपयोग न करने की पहल की जानकारी दी गई।समिति के सहमंत्री सूरजमल, प्रचार-प्रसार मंत्री कविता पोरवाल, संगठन मंत्र निर्मल पोकरणा के अलावा अनेक स्थानीय जन भी उपस्थित थे।

भगवतीलाल मांडोत फिर से बने तेरापंथ सभा टी दासरहल्ली के अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ सभा टी. दासरहल्ली का वार्षिक अधिवेशन टी दासरहल्ली स्थित तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत ने सभी का स्वागत किया। संरक्षक लादुलाल बाबेल, महिला मंडल अध्यक्ष गीता बाबेल ने अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री प्रवीण बोहरा ने कार्यकाल की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष रमेश बाबेल द्वारा आय-व्यय का लेखा-जोखा पेश किया गया। ङ्गङ्गअधिवेशन में वर्ष 2026-28 के मनोनयन हेतु चुनाव अधिकारी राकेश दक एवं सह चुनाव अधिकारी अनिल गादिया द्वारा भगवतीलाल मांडोत को पुन: सर्वसम्मति से तेरापंथ सभा, टी दासरहल्ली का अध्यक्ष चुना और उनके नाम की घोषणा की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी सदस्यों के सहयोग से संस्था के धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। मंत्री प्रवीण बोहरा ने संचालन किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अणुव्रत समिति विजयनगर, के तत्वावधान में हायर प्राइमरी गवर्नमेंट स्कूल, बापूजीनगर में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के अध्यक्ष विकास बांठिया, महिला मंडल की अध्यक्षा महिमा पटावरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सतत जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन भूराराम सीरवी ने किया तथा पारस दक ने धन्यवाद दिया।

दिलीप पितलिया बने तेयुप टी दासरहली के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद टी. दासरहल्ली के नवम वार्षिक अधिवेशन का आयोजन अध्यक्ष राकेश चावत की उपस्थिति में हुआ। मंत्री दिलीप पितलिया ने विगत साधारण सभा की कार्यवाही का वाचन करने के साथ वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कोषाध्यक्ष योगेश गांधी एवं आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर के संयोजक कैलाश गिलुंडिया ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। अध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद दिया। चुनाव अधिकारी कमलेश चावत, उपचुनाव अधिकारी अशोक बोहरा, तेयुप के पूर्व शाखा प्रभारी गौतम खाब्या एवं शाखा प्रभारी अमित दक ने निर्विरोध रूप से तेयुप अध्यक्ष पद पर दिलीप पितलिया के नाम की घोषणा की। उपस्थित सभी जनों ने नए अध्यक्ष पितलिया को शुभकामनाएं दी।

आदर्श स्कूल में मनाया गया पर्यावरण दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।। आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित मनवरतपेट स्थित आदर्श स्कूल में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने कहा कि आज विश्व के सामने पर्यावरण को बचाना एक महती जिम्मेदारी है। आज जिस तरह से पर्यावरण दूषित हो रहा है, ऐसे में पृथ्वी पर रहने वाले मानव सहित जीव जंतु के लिए खतरे की घंटी है। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने पर्यावरण पर आधारित अनेक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उपप्राचार्या अलका जैन सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे। विद्यालय के हिन्दी शिक्षक नित्यानन्द शर्मा ने धन्यवाद दिया।

संतों की सुरक्षा के लिए जैन समाज की विशाल मौन रैली, उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

गदग/दक्षिण भारत। जैन साधु-साध्वियों की विहार के दौरान सुरक्षा तथा राष्ट्रीय जैन विहार सुरक्षा नीति के निर्माण की मांग को लेकर शुक्रवार को गदग जैन समाज के तत्वावधान में मौन रैली का आयोजन किया गया। रैली में समाज के वरिष्ठ सदस्य, महिलाएं, युवक-युवतियां एवं विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।ङ्गरैली का शुभारंभ जैन महाजन (गुजराती मंदिर) से हुआ। हाथों में बैनर और संत सुरक्षा से संबंधित संदेश लिए समाजजन शांतिपूर्वक मौन रैली के रूप में महावीर सर्कल होते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। वहां प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर संतों एवं साध्वियों के सुरक्षित विहार के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

स अवसर पर समाज के विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि साधु-साध्वियां केवल धर्मगुरु नहीं, बल्कि त्याग, तप, संयम और अहिंसा के जीवंत प्रतीक हैं। उनका सुरक्षित विहार केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि समूचे समाज की नैतिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। बढ़ते यातायात और लगातार सामने आ रही दुर्घटनाओं के कारण संतों की सुरक्षा आज एक गंभीर विषय बन चुकी है, जिसके प्रति शासन और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना आवश्यक है। इस अवसर पर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष इन्दरकुमार बाफ़ना, वर्धमान स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष रूपचंद पालरेचा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष खीमराज भंसाली, दिगम्बर जैन संघ के अध्यक्ष पद्मराज कुलकर्णी समेत विभिन्न संघ संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

धर्म, गुरु और परमात्मा से बढ़कर है पर्यावरण, उसकी रक्षा जरूरी : राष्ट्रसंत कमलमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को अपने दैनिक प्रवचन में कहा कि पर्यावरण के संतुलन में ऑक्सीजन का महत्वपूर्ण योगदान है। विलासिता और स्वार्थ में डूब कर इंसान राक्षस बनकर पर्यावरण पर कहर ढा रहा है। पर्यावरण का सबसे कट्टर शत्रु है इंसान। जैन संत ने कहा कि धर्म गुरुओं को मिलकर पर्यावरण की रक्षा का ध्यान रखकर उपासना पद्धति की साधना का निर्माण करना चाहिए। सबसे ज्यादा प्रदूषण पर्यावरण का नाश धर्म की ओट में हो रहा है। पर्यावरण धर्म, गुरु और परमात्मा से बढ़कर है, इसके बिना जीने की कल्पना तक नहीं कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि जब तक दैनिक जीवन की शैली में संयम और सादगी का समावेश नहीं किया जाएगा, तब तक लाखों प्रयत्न कर ले तो भी पर्यावरण की रक्षा सरकार एवं विज्ञान नहीं कर सकती। ङ्गङ्गमुनि कमलेशजी ने सरकार की पर्यावरण की दोहरी नीति पर प्रहार करते हुए कहा कि सरकार एक तरफ पर्यावरण रक्षा का ढोल पीटती है और दूसरी तरफ जहरीली गैसों के कारखाने व केमिकल्स की फैक्ट्री से निकले पानी को गंगा में मिलाया जा रहा है। विकास और पर्यावरण रक्षा के अंदर संतुलन बनाए रखना अत्यंत जरूरी है। असंतुलन होने पर प्राकृतिक प्रकोप, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, भूकंप, बाढ़, बीमारियां, ओजोन परत में छेद, विनाश को खुला निमंत्रण देने के समान है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**